P372

इंदौर, गुरुवार 05 मार्च 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 109
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

चोरल मह् जंगल में बाघ की मूवमेंट

पेज-2

बल्लेबाजी रैंकिंग में मंधाना शीर्ष पर पहुंची

पेज-5

सभी एमआर भी पड़े अधूरे

पेज-6

कैलाश विजयवर्गीय को डुबोने में लगे हैं उनके ही विभाग के अधिकारी

आशीष गुप्ता : 9425064357

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत

नगरीय प्रशासन मंत्री एवं इंदौर के कद्दावर नेता कैलाश विजयवर्गीय के खिलाफ क्या अधिकारी षड्यंत्र कर रहे हैं? या यह इशारा उनकी राजनीति का अंत करने में विरोधियों का सहयोग कर रहे हैं? विगत 30 वर्षों से कैलाश विजयवर्गीय को उनके विरोधियों ने जितना दबाने की कोशिश की, उतने ही उभरकर वे आए। उमा भारती को छोड़कर प्रदेश में जो भी मुख्यमंत्री आया, कैलाश विजयवर्गीय से उनकी पटरी नहीं बैठी। इसका एक कारण यह भी है कि कैलाश विजयवर्गीय अति महत्वाकांक्षी नेता है। यही कारण है कि भागीरथपुरा मामले में मौतों के बाद अब नगर निगम इंदौर के

अधिकारियों ने रिक्त पद और पदस्थ कर्मचारियों की गलत जानकारी दी। मप्र की विधानसभा में 20 फरवरी को इंदौर विधानसभा पांच के विधायक महेंद्र हार्डिया ने इंदौर नगर निगम को लेकर जानकारी मांगी थी। इसमें रिक्त व भरे हुए पदों की

इंदौर नगर निगम डिप्टी कमिश्नर सस्पेंड

'दैनिक इंदौर संकेत' ने जताई थी षड्यंत्र की आशंका

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की नाराजगी के बाद लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई हो रही है। लेकिन 'दैनिक इंदौर संकेत' ने इस मामले में पहले ही किसी षड्यंत्र की आशंका जता चुका था। 'दैनिक इंदौर संकेत' ने यह भी बताया था कि किस प्रकार अधिकारियों ने विधानसभा में रखने के लिए इंदौर नगर निगम से जुड़ी गलत जानकारियां मंत्री को दीं। इन गलत जानकारियों पर बाद में सदन में हंगामा भी हुआ। इस प्रकरण के बाद से ही नगरीय प्रशासन मंत्री विजयवर्गीय खासे नाराज बताए जा रहे थे।

जानकारी चाही गई थी। इंदौर नगर निगम से आई जानकारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने उपलब्ध कराई, लेकिन यह गलत निकली।

इस पर बवाल हुआ और आखिरकार राज्य शासन ने जिम्मेदार डिप्टी कमिश्नर को सस्पेंड कर दिया। वहीं, इंदौर निगम ने भी अधीक्षक को सस्पेंड किया। इसके पहले भागीरथपुरा में मौतों की गलत जानकारी देने पर मंत्री जमकर भड़के थे। इस पर विपक्ष ने उन्हें घेर दिया था। ऐसे में फिर सवाल उठ रहा है कि क्या मंत्री के खिलाफ अधिकारी ही अब षड्यंत्र कर रहे हैं।

अधिकारियों पर हुई कार्रवाई

विधानसभा सत्र के दौरान पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में नगर निगम द्वारा प्रस्तुत जानकारी में त्रुटि पाए जाने के बाद जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की गई है। नगर निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने बताया कि कुछ पदों के रिक्त और भरे होने संबंधी जानकारी कार्यालय स्तर से गलत संकलित हो गई थी। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच कराई गई और दोषी पाए गए कर्मचारियों के खिलाफ कदम उठाए गए। इस मामले में संबंधित ओएस स्थापना शाखा हरीश श्रीवास्तव को निलंबित कर दिया गया है। लिपिक अतुल वाजपेयी की सेवा समाप्त की गई है। जबकि डिप्टी कमिश्नर शैलेष अवस्थी को राज्य शासन द्वारा सस्पेंड किया गया है।

निगम ने भेजी यह जानकारी

मंत्री विजयवर्गीय ने इंदौर नगर निगम के अधिकारियों द्वारा भेजी गई जानकारी विधानसभा में दी। इसमें बताया कि इंदौर नगर निगम में सफाई संरक्षक के पद रिक्त है। जबकि 3900 स्वीकृत पदों पर 1200 से अधिक संरक्षक और 2400 से ज्यादा विनियमित कर्मचारी पदस्थ है।

भागीरथपुरा में 'बेरंग' रही होली

दूषित पानी से किसी ने जीवनसाथी गंवाया तो किसी ने बेटा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● रंगों का त्योहार होली हर साल अपने साथ खुशियों की बौछार, रिश्तों की नई गर्माहट और जीवन के उल्लास का संदेश लेकर आता है। मगर, इस बार की होली इंदौर के भागीरथपुरा के लिए फीकी और बेरंग है। यहां की गलियों में एक खामोश उदासी छाई है। जिन आंगनों में कभी ठहाके गूंजते थे, वहां अब सिसकियां और तस्वीरें रह गई हैं। भागीरथपुरा में दूषित पानी की वजह से 35 लोगों की मौत हो गई। ये उन परिवार वालों के लिए पहली होली है। जिन हाथों से गुलाल उड़ता था, वे अब तस्वीरों पर फूल चढ़ा रहे हैं। दैनिक भास्कर ने जब पीड़ित परिवारों से बात की तो दर्द शब्दों में ढलता चला गया। कहीं जीवनसाथी की अचानक विदाई, तो कहीं अधूरी रह गई तीर्थयात्रा की इच्छा। सरकारी मदद के सवाल पर रहवासी बताते हैं कि 'वही मिले हैं, जो आप बता रहे हो।' उनकी आंखों में सवाल नहीं, बल्कि एक गहरी निराशा है, जो शायद अब कभी खत्म नहीं होगी।

भागीरथपुरा त्रासदी टाइमलाइन

- ***अक्टूबर-नवंबर 2025 :*** *रहवासियों ने गंदे और बदबूदार पानी की शिकायतें की थीं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।*
- ***24 दिसंबर 2025 :*** *भागीरथपुरा क्षेत्र में अचानक उल्टी-दस्त के मामले बढ़ने लगे और मरीजों को अस्पतालों में भर्ती कराया जाने लगा।*
- ***27-28 दिसंबर 2025 :*** *बीमार लोगों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ, स्वास्थ्य टीमों ने सर्वे शुरू किया और दूषित पानी को मौत की वजह माना गया।*
- ***30 दिसंबर 2025 :*** *प्रशासन ने 5 मौतों की पुष्टि की और 1000 से अधिक लोगों के बीमार होने की जानकारी दी।*
- ***30-31 दिसंबर 2025 :*** *जांच में पाया गया कि नगर निगम ने पहले से ही चिह्नित लीकेज पाइपलाइन को बदलने में देरी की थी।*
- ***31 दिसंबर 2025 :*** *मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भागीरथपुरा का दौरा किया और पीड़ितों से मुलाकात की।*
- ***3 जनवरी 2026 :*** *नगर निगम कमिश्नर दिलीप कुमार यादव को हटाया गया। एडिशनल कमिश्नर रोहित सिसोनिया और एग्जीक्यूटिव इंजीनियर संजीव श्रीवास्तव को सस्पेंड किया।*
- ***17 जनवरी 2026 :*** *लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी भागीरथपुरा पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात और बातचीत की।*

बार-बार आग की लपटें उठना साजिश का हिस्सा तो नहीं!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर का एयरपोर्ट कई साल से अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनने की प्रक्रिया में है, लेकिन इसमें कुछ प्रशासनिक और राजनीतिक अड़चनें भी रही हैं। इसलिए बीच-बीच में साजिश या लॉबी की बातें भी उठती रहती हैं। इंदौर एयरपोर्ट को पहले ही कस्टम एयरपोर्ट का दर्जा मिल चुका है। यहां से दुबई और शारजाह जैसी अंतराष्ट्रीय उड़ानें शुरू हो चुकी हैं। लेकिन इसे पूरी तरह फुल-फ्लेज्ड इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने के लिए रनवे विस्तार, कार्गो टर्मिनल, अधिक अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स, अतिरिक्त जमीन जैसी जरूरतें बताई जाती हैं। हालांकि सबसे बड़ी अड़चन-एयरपोर्ट के विस्तार के लिए करीब 100-150 एकड़ जमीन और चाहिए।

इसमें समस्या आती है क्योंकि आसपास गांवों की जमीन और शहरी विस्तार आ रहा है। राजनीतिक और लॉबी फैक्टर इंदौर में अक्सर यह चर्चा होती है कि भोपाल का एयरपोर्ट भी इंटरनेशनल स्टेटस चाहता है।

न्यूज ब्रीफ

- ईरान के बुकान शहर पर भारी बमबारी, सरकारी इमारत भी निशाने पर
- कांग्रेस ने छह उम्मीदवारों की सूची की जारी, अभिषेक मनु सिंघवी सहित इन नेताओं के नाम का एलान
- नेपाल में बढ़ने लगी वोटर्स की कतारें; कार्की, बालेन शाह-पुष्प कमल दहल ने डाला वोट
- तेलंगाना के सीएम ने अमित शाह से की मुलाकात; मणिपुर सरकार में बांटे गए मंत्रियों को विभाग
- भाजपा ने दिया कांग्रेस को झटका, असम के तीन निलंबित विधायकों को पार्टी में किया शामिल
- मिडिल ईस्ट तनाव के बीच रुबियो और सऊदी विदेश मंत्री की बातचीत
- एमपी : वन विभाग से मंजूरी में देरी बनी रोड़े में रोड़ा, 48 सड़क परियोजनाएं 117 से 1838 दिन तक लटकी रहीं
- मह्-नीमच हाईवे पर हादसा: चारभुजाजी यात्रा पर जा रहे श्रद्धालु को ट्रक ने कुचला, एक की मौत; दो घायल
- सीएम मोहन यादव का बड़ा कदम, खाड़ी देशों में रह रहे एमपी के निवासियों के लिए नई दिल्ली में कंट्रोल रूम बनाया
- छिंदवाड़ा में दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, उछलकर दूर गिरे युवकों में से चार की मौत, एक गंभीर

बिगड़ी हवा की सेहत, एक्यूआई पहुंचा 400 के करीब

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में कई स्थानों पर एक साथ होली जलाने से अचानक वायु प्रदूषण बढ़ गया। एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) बढ़कर रात को जहां 188 तक पहुंच गया तो सुबह यह 400 के करीब तक पहुंच गया था। रात को जलाई गई होली सुबह तक जलती रही, जिससे सुबह भी कई क्षेत्रों में धुआं छाया रहा। फिलहाल आज भी वायु प्रदूषण में कमी की उम्मीद नहीं है। शहर में लगातार चल रहे निर्माण कार्यों के कारण भी एक्यूआई पिछले कुछ दिनों से बढ़ा हुआ है। सोमवार रात से चल रहे होलिका दहन के कारण हवा में धुएं का स्तर अचानक बढ़ गया। आमतौर पर 100 अंकों के आसपास रहने वाला एक्यूआई सोमवार रात बढ़कर 188 पर जा पहुंचा। यह शहर के मध्य क्षेत्र रीगल सर्कल पर स्थित मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के केंद्र पर दर्ज किया गया। शहर के अन्य क्षेत्रों में भी एक्यूआई में बढ़त दर्ज की गई। सुबह यह बढ़त 375 तक पहुंच गया। मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर डीके वाघेला ने बताया कि जहां होलिका दहन के बाद वायु प्रदूषण बढ़ना शुरू हुआ था। इसका असर एक-दो दिन तक रहेगा। अचानक वायु प्रदूषण बढ़ने से सांस के रोगियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

देपालपुर में धधकते अंगारों पर चले मन्नत धारी

भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ गल महादेव चूल मेला

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

अति प्राचीन आस्था और सनातन परंपरा के प्रतीक भगवान गल महादेव के चूल मेले का आयोजन 4 मार्च 2026 को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ भव्य रूप में सम्पन्न हुआ। हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में पूरा क्षेत्र भक्ति रस में सराबोर नजर आया।

मेले में दूर-दूर से पहुंचे मन्नतधारी श्रद्धालुओं ने अपनी मनोकामना पूर्ण होने पर धधकते अंगारों पर नंगे पांव चलकर अपनी अटूट आस्था का परिचय दिया। जैसे ही चूल प्रारंभ हुई, वातावरण 'जय गल महादेव' के जयघोष से गूंज उठा। अंगारों की तपिश के बीच विश्वास और भक्ति का यह अद्भुत दृश्य श्रद्धालुओं के लिए रोमांच और श्रद्धा का संगम बन गया मान्यता है कि वर्षों से चली आ रही

यह परंपरा भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करती है। यही कारण है कि क्षेत्र ही नहीं, आसपास के ग्रामीण एवं शहरी इलाकों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। यह मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। होली पर्व के उपलक्ष्य में लगे इस मेले में झूले, मिट्टी के बर्तनों की दुकानें, गृह सजावट सामग्री, खिलौने एवं खान-पान की दुकानों से बाजार गुलजार रहा। परिवार सहित पहुंचे लोगों ने मेले का आनंद लिया और बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

नगर परिषद द्वारा पेयजल, विद्युत और स्वच्छता की समुचित व्यवस्था की गई थी। पुलिस प्रशासन एवं मेला समिति के सदस्यों की सक्रिय भूमिका से सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। पूरे आयोजन के दौरान शांति, सौहार्द और अनुशासन का वातावरण बना रहा आस्था साहस और परंपरा का संगम बना यह चूल मेला एक बार फिर देपालपुर की धार्मिक विरासत को नई ऊंचाई देते हुए सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

फेरबदल राज्य में सत्ता परिवर्तन तय, मुख्यमंत्री के नाम पर सस्पेंस

बिहार में खेला : नीतीश जाएंगे दिल्ली

पटना (एजेंसी) ● बिहार की सियासत एक बार फिर नई करवट लेने जा रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की चर्चा तेज है। माना जा रहा है कि वो गुरुवार को राज्यसभा के लिए नामांकन भर सकते हैं। नीतीश कुमार अगर राज्यसभा जाते हैं तो बिहार की राजनीति में बड़ा बदलाव होगा। एनडीए को नया मुख्यमंत्री को चुनने के साथ-साथ पूरी सरकार का गठन फिर से एक बार करना होगा। ऐसे में बिहार में पावर ट्रांसफर के साथ रोल भी बदल जाएंगे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने को लेकर जेडीयू की तरफ भले ही अभी

आधिकारिक पुष्टि न हुई हो, लेकिन चर्चा तेज है कि गुरुवार को बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन के साथ वह भी राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल कर सकते हैं। नीतीश कुमार अगर राज्यसभा जाएंगे तो बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा और उपमुख्यमंत्री किसे बनाया जाएगा। बीजेपी का सीएम होगा तो जेडीयू से क्या फिर डिप्टीसीएम होगा, ऐसे तमाम सवाल लोगों के मन में बने हुए हैं। बिहार में पांच महीने पहले ही नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए को प्रचंड जीत विधानसभा चुनाव में मिली थी। कहा जा रहा है कि बिहार में सियासी सरगर्मी के बीच वर्ष 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव के वक्त ही सबकुछ तय हो चुका था, लेकिन चुनाव में नीतीश कुमार के नाम पर ही एनडीए को बड़ी सफलता मिली थी, इसलिए उन्हें 10वीं बार सीएम के रूप में शपथ दिलाई गई थी और बीजेपी से सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा उपमुख्यमंत्री बनाए गए थे। बिहार में एनडीए सरकार के अभी छह महीने भी पूरे नहीं हुए कि नीतीश कुमार के दिल्ली जाने की चर्चा तेज हो गई है, क्योंकि प्रदेश की पांच राज्यसभा सीटों पर चुनाव हो रहे हैं। ऐसे में जेडीयू से नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की चर्चा होली के दिन सामने आई।

अपनी ही सरकार में त्रस्त भाजपा विधायक! उठा सकते हैं बड़ा कदम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश में भाजपा नेता अपनी ही सरकार से नाराज चल रहे हैं। मामला इंदौर की विधानसभा क्रमांक-5 का है। जहां भाजपा विधायक महेंद्र हार्डिया ने अवैध निर्माण और आवासीय भवनों में कथित व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर खासे नाराज नजर आ रहे हैं। हार्डिया ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए सख्त चेतावनी दी है। उनका कहना है कि यदि जल्द प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो वे स्थानीय पार्षदों और रहवासियों के साथ मिलकर बड़ा विरोध प्रदर्शन करेंगे। अपनी सरकार में प्रशासन की कार्यप्रणाली से नाराज

बीजेपी विधायक की नाराजगी खुलकर सामने आई है। विधायक का आरोप है कि कई कॉलोनियों के आवासीय भवनों में नियमों के विपरीत हॉस्टल, होटल और स्टूडियो अपार्टमेंट संचालित किए जा रहे हैं। कुछ स्थानों पर अनैतिक गतिविधियों की शिकायतें भी सामने आई हैं, जिससे क्षेत्र के रहवासी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। इस संबंध में नगर निगम अधिकारियों को कई बार शिकायतें दी गई, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। विधायक के अनुसार, पूर्व निगम आयुक्त तथा वर्तमान कलेक्टर शिवम वर्मा को भी मौके पर ले जाकर स्थिति दिखाई गई थी। वहीं, वर्तमान निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल से रहवासी संघों के साथ मुलाकात कर समस्या से अवगत कराया गया, परंतु अब तक ठोस कदम नहीं उठाए गए। महेंद्र हार्डिया ने इस मुद्दे को विधानसभा में भी उठाया था। उनका आरोप है कि अधिकारियों ने वहां गोलमोल जानकारी प्रस्तुत की।

बकायादारों से वसूली करने के लिए की जाएगी सख्ती

राजस्व अधिकारियों की बैठक, राजस्व वसूली को लेकर कलेक्टर सख्त मोड पर आए, दिए निर्देश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● राजस्व वसूली को लेकर कलेक्टर सख्त मोड पर आ गए हैं। उन्होंने सभी एसडीएम और संयुक्त कलेक्टर को दी गई जिम्मेदारी के 100 प्रतिशत लक्ष्य को हासिल करने के लिए समयसीमा तय कर दी है। उन्होंने कहा है कि जल्द से जल्द बड़े बकायादारों से वसूली की जाए या फिर होली के बाद उनके खिलाफ कुर्की की जाए। सख्ती के बाद सोमवार देर रात तक सभी तहसीलों में बैठकों का दौर चला और एसडीएम सहित संयुक्त कलेक्टर भी एक-एक प्रकरण पर सुनवाई सुनवाई करते नजर आए। जिले में राजस्व वसूली के लिए सभी तहसीलदार, एसडीएम और संयुक्त

कलेक्टर एक-एक बकायादार को बुलाकर सुनवाई कर रहे हैं। जल्द से जल्द राशि भरने के साथ-साथ उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई के नोटिस भी जारी किए जा रहे हैं। बेटमा में राजस्व वसूली को लेकर संयुक्त कलेक्टर रोशनी वर्धमान ने सख्त तेवर दिखाए। कुल 1 करोड़ 41 लाख रुपए की मांग के मुकाबले अब तक 71 लाख रुपए की वसूली हो चुकी है, लेकिन लक्ष्य अभी दूर है। इसी को देखते हुए कलेक्टर ने साफ शब्दों में 100 प्रतिशत वसूली के निर्देश जारी कर दिए हैं। निर्देश मिलते ही राजस्व अमला हरकत में आ गया और देर शाम तक तहसील कार्यालयों में मैराथन बैठकें चलीं।

शत-प्रतिशत वसूली का लक्ष्य दिया : वित्तीय वर्ष की समाप्ति को देखते हुए कलेक्टर ने अतिरिक्त संयुक्त कलेक्टर को अलग-अलग क्षेत्रों की जिम्मेदारी सौंपते हुए स्पष्ट कर दिया है कि लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी एसडीएम को अपने-अपने क्षेत्र में शत-प्रतिशत वसूली का लक्ष्य दिया गया है। बैठक में एक-एक प्रकरण की समीक्षा की गई, बकायादारों की सूची सामने रखी गई और तत्काल नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। कई बकायादारों को मौके पर ही बुलाकर समझाइश दी गई, वहीं गंभीर मामलों में में कुर्की और अन्य दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

गांव-गांव जाकर टीमें संपर्क करेंगी

सूत्रों के अनुसार राजस्व वसूली की धीमी रफ्तार पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों से स्पष्ट कहा गया है कि हर हाल में लक्ष्य पूरा किया जाए। जिन प्रकरणों में लंबे समय से बकाया लंबित है, उनमें विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। अब टीम गांव-गांव और वार्ड-वार्ड पहुंचकर बकायादारों से संपर्क करेगी। होली का त्योहार खत्म होते ही बकायादारों पर कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों को दैनिक प्रगति रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं और स्पष्ट कर दिया गया है कि यदि लक्ष्य अधूरा रहा तो जिम्मेदारी तय होगी।

न्यूज ब्रीफ

मदिरा दुकानों की वर्ष 2026-27 की नीलामी का प्रथम चरण संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आबकारी विभाग द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए मदिरा दुकानों की ई-टेंडरिंग कार्यवाही का पहला चरण 2 मार्च सम्पन्न हुआ। जिला आबकारी अधिकारी श्री अभिषेक तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष बैच-एक के 19 समूहों में से 11 समूहों की ई-टेंडरिंग के माध्यम से नीलामी की गई है। इस वर्ष 11 समूहों के आरक्षित मूल्य 4527473585 रुपये के विरुद्ध 4983771418 रुपये की उच्चतम बोली लगाई गई है। जो आरक्षित मूल्य से 10.08 प्रतिशत अधिक है। नीलामी की कार्यवाही शासन द्वारा निर्धारित दिशा निर्देशों के अनुरूप पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धात्मक प्रक्रिया के तहत सम्पन्न हुई है। गत वर्ष 2025-26 का परिगणित वार्षिक मूल्य 3772894645 की तुलना में वर्ष 2026-27 में 49843771418 रही है, जो इस वर्ष 32 प्रतिशत से अधिक आंकी गई है। जिसमें 1210876773 की वृद्धि दर्शाता है।

कल से शहर में नहीं होगी दूध की सप्लाई?

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश के इंदौर में दुग्ध उत्पादक किसान अपनी मांगों को लेकर अब आरपार की लड़ाई के मूड में आ गए हैं। गुरुवार यानी आज 5 सूत्रीय मांगों को लेकर आज इंदौर में बड़ा प्रदर्शन करेंगे। किसानों का कहना है कि दुग्ध संघ द्वारा लागू की गई नई क्रय सूची और भुगतान प्रणाली से उन्हें आर्थिक नुकसान हो रहा है। किसानों ने मांग की है कि 25 और 26 सीएलआर पर की जा रही कटौती को तुरंत खत्म किया जाए। साथ ही एसएनएफ के मुताबिक बनाई गई नई क्रय सूची को वापस लिया जाए। किसानों ने दूध का भाव नौ रुपये प्रति फैट तय करने की भी मांग रखी है। इसके अलावा किसानों का कहना है कि वर्ष 2019-20 से 2021-22 तक का लंबित बोनस और लाभांश का भुगतान किया जाए। साथ ही पांच रुपये प्रति लीटर की प्रोत्साहन राशि भी किसानों को दी जाए। किसानों के इस फैसले के बाद 6 मार्च से शहर में दूध की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। इधर किसानों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

होली पर चढ़ा पारा, तापमान 34 डिग्री तक पहुंचा, दिन में रहेगी तेज धूप

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में अब तक गुलाबी ठंड का एहसास होता था, लेकिन बीते दो दिन से तापमान लगातार बढ़ रहा है और दिन में तेज धूप लोगों को परेशान करने लगी है। अब तक रात को पंखे या एसी की जरुरत महसूस नहीं होती थी, लेकिन मंगलवार रात का तापमान भी 14 डिग्री रहा और घरों में पंखे चल पड़े। अब तापमान लगातार बढ़ेगा। सप्ताहभर तक तेज धूप रहेगी और हवा की गति भी सामान्य रहेगी। मंगलवार को दिन का तापमान 34 डिग्री रहा, जो सामान्य से दो डिग्री अधिक था, जबकि सोमवार रात का तापमान 13 डिग्री दर्ज किया गया।

बजरबट्टू सम्मेलन मुश्किल : मंत्री विजयवर्गीय नहीं हो रहे शामिल, महापौर भी गेर में नहीं जाएंगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● रंगपंचमी की पूर्व संध्या पर हर साल हास्य कवि सम्मेलन बजरबट्टू का आयोजन होता है। इस साल यह आयोजन 7 मार्च को तय था, इसके पोस्टर भी लग गए थे। इसका सबसे प्रमुख आकर्षण होता है हर साल कैलाश विजयवर्गीय इसमें अलग रूप धरकर आते हैं। वह चाणक्य, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, पॉप स्टार, चाचा चौधरी जैसे कई रूप धर चुके हैं।

यह उनका नया गेटअप गोपनीय होता है और पहले से ही इसका किरदार बताने वाले को ईनाम तक दिया जाता है। आयोजक अशोक चौहान उर्फ चांदू साफ कहते हैं कि यह आयोजन कैलाशजी के कारण ही शुरू किया गया और यदि वह नहीं तो फिर आयोजन नहीं।

कैलाश विजयवर्गीय तैयार नहीं : सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस बार भागीरथपुरा कांड को देखते हुए मंत्री विजयवर्गीय इसमें कोई रूप धरने के लिए तैयार नहीं हैं। इस बार आयोजकों से उन्होंने यह भी कहा कि अब किसी अन्य को इसमें लिया जाए और मैं कोई इसमें नया चेहरा दे देता हूं। माना जाता है कि इसमें वह अपने पुत्र आकाश विजयवर्गीय को यह जिम्मेदारी देना चाहते थे। लेकिन इस पर सहमति नहीं बनी है। ऐसे में इस बार यह आयोजन खटाई में पड़ गया है। हालांकि औपचारिक तौर पर आयोजकों ने अब तक इसे निरस्त करने की घोषणा नहीं की है।

महापौर ने भी लिया यह बड़ा फैसला : वहीं, भागीरथपुरा कांड को देखते हुए महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इस बार अपने निवास पर होने वाली होली मिलन कार्यक्रम निरस्त कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि इस बार वह रंगपमंचमी की गेर में भी शामिल नहीं होंगे। हाालंकि गेर में जो पारंपरिक तौर पर निगम की टीम और वाहन शामिल होते हैं, वह शामिल रहेंगे। महापौर ने कहा कि भागीरथपुरा की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के कारण वह खुद इसमें शामिल नहीं होंगे।

विधानसभा में भी उठा था बजरबट्टू का जिक्र : बजट सत्र के दौरान मध्य प्रदेश विधासनभा में भी बजरबट्टू का जिक्र हुआ था। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और विधायक भंवर सिंह शेखावत के बीच में भागीरथपुरा मामले को लेकर हल्की बहस हुई थी। इसी दौरान स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा था कि बजरबट्टू भी इंदौर में होता है। जिस पर शेखावत ने कहा था कि हां लेकिन इसमें कैलाशजी ही अलग-अलग रूप धरते हैं और किसी अन्य को मौका ही नहीं देते हैं।

चोरल महू जंगल में बाघ की मूवमेंट, कई जगहों पर मिले पंजों के निशान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर वनमंडल के चोरल-महू बेल्ट में जनवरी-फरवरी के दौरान बाघ की मौजूदगी के ठोस संकेत मिले हैं, जिनमें पगमार्क और विष्ठा शामिल हैं। वन विभाग ने कई संवेदनशील इलाकों में कैमरा ट्रैप बढ़ाए हैं और डेटा वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, देहरादून को भेजा जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक उदयनगर से बड़वाह तक का वन क्षेत्र अब उभरते टाइगर कॉरिडोर के रूप में देखा जा रहा है। इंदौर के आसपास के जंगलों में बड़े मांसाहारी वन्यजीवों की गतिविधि अब छिटपुट सूचना भर नहीं रह गई है। चोरल और महू क्षेत्र में जनवरी-फरवरी के बीच बाघ की मौजूदगी के ठोस प्रमाण दर्ज किए गए हैं। कई जगह पगमार्क मिले, विष्ठा के नमूने मिले, और तेंदुओं की रोजाना आवाजाही भी रिकॉर्ड हुई। वन अधिकारियों का आकलन है कि यह पूरा बेल्ट धीरे-धीरे एक सक्रिय टाइगर मूवमेंट जोन में बदल रहा है।

दिसंबर के तीसरे सप्ताह में हुई ऑल इंडिया टाइगर एस्टीमेशन के दौरान भी इंदौर वनमंडल में बाघ की हलचल महत्वपूर्ण मानी गई। सर्वे के दौरान नाहरझाबुआ-भड़किया, उमठ-वेका (चोरल) और मलेंडी-मांगलिया (महू) जैसे इलाकों में संकेत दर्ज हुए। विभागीय स्तर पर यह भी कहा जा रहा है कि बाघ उदयनगर से बड़वाह तक नया टेरिटरी पैटर्न बना रहे हैं, जो आने वाले समय में मध्य भारत के वन्यजीव मानचित्र पर अहम हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार इस क्षेत्र में तीन बातें एक साथ दिख रही हैं—घना वन, पानी की उपलब्धता और शिकार प्रजातियों की पर्याप्त मौजूदगी। सांभर, चीतल, हिरण और नीलगाय जैसे शाकाहारी वन्यजीवों की संख्या बढ़ना बड़े शिकारी प्राणियों के लिए प्राकृतिक आकर्षण बनता है। यही कारण है कि जहां पहले तेंदुए की उपस्थिति अधिक चर्चा में रहती थी, अब बाघ की गतिविधि भी लगातार ट्रैक की जा रही है। खिवनी अभयारण्य से उदयनगर-बड़वाह तक फैला वन क्षेत्र लंबे समय से संभावित संपर्क मार्ग माना जाता रहा है। वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, देहरादून भी इसे संभावित टाइगर कॉरिडोर की श्रेणी में देखता है। पिछले कुछ वर्षों में सड़क, रेलवे और अन्य विकास परियोजनाओं का दबाव पारंपरिक आवासों पर बढ़ा है, ऐसे में वन्यजीवों का सुरक्षित इलाकों की ओर खिसकना एक स्थापित पारिस्थितिकी पैटर्न माना जाता है।

जनगणना के लिए पर्यवेक्षकों तथा प्रगणकों के लिए गाइडलाइन जारी

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● राजधानी में 1 मई से होने वाली मकानों की गणना और अगले साल होने वाली जनगणना के लिए राज्य शासन ने पर्यवेक्षकों और प्रगणकों की नियुक्ति के लिए गाइडलाइन तय कर दी है। शिक्षक क्लर्क और अन्य कर्मचारी जनगणना के लिए प्रगणक नियुक्त होंगे जबकि पर्यवेक्षक उसे बनाया जाएगा जो प्रगणकों से सीनियर होगा। गृह विभाग के इस आदेश के बाद कलेक्टर अब प्रगणक और पर्यवेक्षक की तैनाती कर सकेंगे। गृह, सामान्य विभाग ने जनगणना 2027 के लिए अधिकारियों की नियुक्ति संबंधी आदेश जारी कर दिया है। गृह सचिव अभिषेक सिंह द्वारा सभी कलेक्टरों को लेकर जारी आदेश में कहा गया है कि अधिकारियों को उनके क्षेत्राधिकार के अंतर्गत जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। सचिव सिंह ने कहा है कि जनगणना अधिनियम 1948 की धारा 4 की उपधारा 2 तथा जनगणना नियम, 1990 के नियम 3 का उपयोग करते हुए राज्य शासन ने संबंधित अधिकारियों को जनगणना 2027 के लिए नियुक्त किया है। राज्य शासन ने स्पष्ट किया है कि सभी नियुक्त अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में जनगणना कार्य को निर्धारित प्रावधानों के आधार पर पूरा करेंगे। पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सामान्यत: उसे मिलेगी जो पद में प्रगणकों से वरिष्ठ होगा।

2 सड़क हादसों में दो की मौत: बड़े गणपति में बाइक डिवाइडर से टकराई

राऊ में घायल महिला ने दम तोड़ा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। मल्हारगंज क्षेत्र के बड़े गणपति इलाके में बुधवार रात बाइक डिवाइडर से टकराने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि राऊ इलाके में तीन दिन पहले कार की टक्कर से घायल महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मल्हारगंज पुलिस के मुताबिक अरुण सोनी (26) पुत्र तेज बहादुर सोनी, निवासी स्कीम नंबर 51, बुधवार रात बाइक से जा रहे थे। बड़े गणपति इलाके में उनकी बाइक डिवाइडर से टकरा गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों के अनुसार अरुण अपने दोनों बच्चों को लेने ससुराल महेश गाइड लाइन क्षेत्र जा रहे थे। रास्ते में हादसा हो गया। थार में जा रहे कुछ युवकों ने उन्हें शशि नर्सिंग होम पहुंचाया और उनके मोबाइल से परिजनों को सूचना दी।

राऊ में कार की टक्कर से घायल महिला की मौत-राऊ थाना क्षेत्र में तीन दिन पहले सड़क पार करते समय कार की टक्कर से घायल महिला की बुधवार रात मौत हो गई। मृतका मीना श्रीवास्तव (52) पत्नी धनपाल श्रीवास्तव, निवासी साईनाथ कॉलोनी राऊ हैं।

सड़क पार करते समय हुआ हादसा-पुलिस के मुताबिक मीना संजय नगर के पास सड़क पार कर रही थीं, तभी एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से एमवाय अस्पताल रेफर किया गया था।

बायपास के जर्जर हिस्से पर होगी कारपेटिंग टू व्हीलर वालों को निकलने में होगी आसानी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर-देवास बायपास पर एमआर-10 जंक्शन, अर्जुन बड़ौद और रालामंडल फ्लाईओवर का काम अधूरा है। दो फ्लाईओवर का काम खत्म होने में अभी छह महीने लगेंगे। इस बीच बायपास की मरम्मत की जाएगी। सांसद शंकर लालवानी ने बायपास की खस्ता हालत के बारे में सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को बताया गया है। सड़क की ऊपर सतह उखड़ने के साथ कई जगह से जर्जर हो चुकी है। सड़क पर कारपेटिंग की जाएगी। इसके लिए 100 करोड़ का खर्च आएगा। यह राशि केंद्र से प्रोजेक्ट को लेकर आवंटित हो चुकी है। अगले कुछ दिनों में निर्माण कार्य को लेकर टेंडर बुलाया जाएगा। सांसद लालवानी ने गडकरी को बताया कि बायपास की खराब सतह के कारण दोपहिया वाहन चालकों को काफी दिक्कतें आती हैं। कई बार दुर्घटनाएं होती हैं।

मप्र में मंदिर के पास चप्पलें चोरी होने पर तहसीलदार ने शिकायत दर्ज कराई, बढ़ते चोरी के मामलों पर ध्यान दिलाया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● क्या कभी आपके जूते-चप्पल मंदिर के पास से चोरी हुए हैं? आप पाएंगे कि आपकी पीड़ा को समझा जा रहा है और कोई आपके और ऐसे कई लोगों के लिए आवाज़ उठा रहा है जो इस अनुभव से गुज़रते हैं। सोमवार को, मध्य प्रदेश के अगर मालवा जिले के एक नायब तहसीलदार ने प्रसिद्ध बगलामुखी मंदिर में अपनी चप्पलें चोरी होने के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई - जो बाद में बरामद हो गईं - ताकि पुलिस ऐसे मामलों पर ध्यान दे और 'आगंतुकों को असुविधा से बचाए और धार्मिक स्थल की पवित्रता की रक्षा करे। नायब तहसीलदार के पद पर तैनात अरुण चंद्रवंशी सोमवार को दोपहर करीब 3.15 बजे दर्शन के लिए मंदिर पहुंचे और मंदिर में प्रवेश करने से पहले रसीद काउंटर के पास अपनी 500 रुपये की चप्पलें छोड़ दीं। जब वे प्रार्थना करके लौटे तो चप्पलें गायब थीं। मंदिर अधिकारियों को सूचना दी गई और प्रवेश द्वार के सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। हालांकि चोरी करने वाले व्यक्ति की पहचान हो गई और चप्पलें बरामद कर ली गईं, चंद्रवंशी ने अगर मालवा एसपी विनोद कुमार सिंह और स्थानीय पुलिस स्टेशन प्रभारी नागेश यादव को लिखित शिकायत भेजकर सख्त कार्रवाई की मांग की। अपने पत्र में उन्होंने मंदिर परिसर से जूते-चप्पल और अन्य सामान चोरी होने की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त की और कहा कि ऐसे कृत्य धार्मिक स्थल की पवित्रता को भंग करते हैं और श्रद्धालुओं को असुविधा पहुंचाते हैं।

सरकार से मांग की मृत कर्मचारियों के परिजनों को मिले स्थाई नौकरी एवं मकान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के पूर्व महामंत्री नीतिश भारद्वाज हरिजन कालोनी पहुंचे गत दिनों चोइथराम सब्जी मंडी के पास चैंबर में उतरे नगर निगम के दो कर्मचारी स्वर्गीय करण यादव अजय डोडिया की जहरीली गैस से दम घुटने से मौत हो गई थी मृतक परिजनों से मुलाकात की और शोक संवेदना व्यक्त किया। यादव जी को एक पत्र लिखकर मांग की है की दोनों मृतक परिवार को स्थाई परमानेंट नौकरी दी जाए दोनों कर्मचारी अस्थाई कर्मचारी थे एवं किराये के मकान में रहते थे सरकार दोनों कर्मचारीयों के परिवार को मकान भी दें एवं एक करोड़ की सहायता राशि की मांग की साथ ही हादसे के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए एवं गैर इरादतना हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग की हैं।

मरीजों की सुगमता के लिए अष्टांग आयुर्वेद अस्पताल में शाम की ओपीडी शुरू

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● समय की उपलब्धता एवं मरीजों की सुगमता के लिए प्रमुख सचिव आयुष विभाग के निर्देश अनुसार शासकीय अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय लोकमान्य नगर द्वारा सायं कालीन ओपीडी की शुरुआत की गई है, जिसमें मरीज शाम के समय भी विशेषज्ञों को अपनी बीमारी बता सकते हैं, शुभारंभ के दौरान प्राचार्य डॉ अजीत पाल सिंह चौहान उपस्थित रहे।

स्टाम्प ड्यूटी नहीं भरी तो खाता सील:10 करोड़ की वसूली के लिए पंजीयन विभाग का बड़ा एक्शन, सीधे बैंक खाते फ्रीज कर वसूली शुरू

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में स्टाम्प ड्यूटी की बकाया वसूली को लेकर पंजीयन विभाग ने बड़ा एक्शन लिया है। लंबे समय से नोटिस के बावजूद राशि जमा नहीं करने वाले संपत्ति धारकों के खिलाफ विभाग ने सीधे बैंक खातों पर कार्रवाई करते हुए 100 से ज्यादा खाते सील कर दिए हैं। यह कदम करीब 10 करोड़ रुपए की बकाया स्टाम्प ड्यूटी की वसूली के लिए उठाया गया है।

अचल संपत्ति के पंजीयन के समय क्रेता को स्टाम्प ड्यूटी चुकानी होती है, लेकिन कई मामलों में ड्यूटी कम आंकी जाती है या मकान की जगह प्लॉट बताकर रजिस्ट्री कराई जाती है। शिकायत मिलने पर विभाग जांच करता है और स्टाम्प ड्यूटी चोरी का मामला दर्ज कर संबंधित पक्ष को नोटिस जारी करता है।

नोटिस के बाद भी राशि जमा नहीं, तो सील किए खाते-इंदौर के वरिष्ठ जिला पंजीयक अमरेश नायडू ने बताया कि जिले के विभिन्न पंजीयन कार्यालयों में बड़ी संख्या में ऐसे मामले लंबित हैं, जिनमें स्टाम्प ड्यूटी की राशि वसूल की जाना है। लंबे समय से नोटिस दिए जाने के बावजूद संबंधित व्यक्तियों ने बकाया राशि जमा नहीं की। इसके बाद विभाग ने उनकी चल संपत्ति पर कार्रवाई शुरू की और करीब 100 बैंक खाते सील कर दिए। खाताधारकों को स्पष्ट कर दिया गया है कि बकाया स्टाम्प ड्यूटी जमा करने के बाद ही वे अपने खाते से लेनदेन कर सकेंगे।

अधिवक्ता समिति ने उठाए सवाल-पंजीयन कार्यालय अधिवक्ता समिति के अध्यक्ष प्रमोद द्विवेदी ने विभाग की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि राज्य सरकार ने पंजीयक को तहसीलदार के अधिकार दिए हैं, जिसके तहत अचल संपत्ति की जब्ती-कुर्की की कार्रवाई की जानी चाहिए। बैंक खाते सील करने से संबंधित व्यक्ति अपनी जमा राशि का उपयोग भी नहीं कर पाता और उसे अनावश्यक परेशानी होती है।

अपील के मामले बढ़े, 25% राशि जमा करना अनिवार्य-बैंक खाते सील किए जाने के बाद अब अपील के प्रकरण दाखिल होने लगे हैं। नियम के अनुसार, अपील करने से पहले संबंधित व्यक्ति को बकाया स्टाम्प ड्यूटी की 25 प्रतिशत राशि जमा करनी होती है। यह राशि जमा कर अधिवक्ताओं के माध्यम से विभाग की कार्रवाई को चुनौती दी जा रही है। पंजीयन विभाग की इस सख्ती से जहां बकाया वसूली में तेजी आने की संभावना है, वहीं कानूनी विवाद भी बढ़ते नजर आ रहे हैं।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

इंदौर, गुरुवार 05 मार्च 2026

न्यूज ब्रीफ

भोजपुरिया समाज का फाग उत्सव 8 मार्च को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भोजपुरिया समाज का फाग उत्सव वह होली मिलन समारोह रविवार 8 मार्च को रंग पंचमी के दिन आयोजित किया जाएगा। इंदौर भोजपुरिया वेलफेयर सोसाइटी का फाग उत्सव वह होली मिलन समारोह रविवार 8 मार्च को रंग पंचमी के दिन मिस्टी मैरिज गार्डन बरौली इंदौर उज्जैन रोड पर सुबह 11:00 से 3:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा भोजपुरिया समाज के अध्यक्ष बटेश्वर नाथ सिंह द्वारा बताया गया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी भोजपुरिया वेलफेयर सोसाइटी का फाग उत्सव वह होली मिलन समारोह का आयोजन होने जा रहा है इसमें सभी भोजपुरिया समाज के लोग वह पदाधिकारी उपस्थित होंगे कार्यक्रम में भोजपुरिया गायिका द्वारा होली के गीतों की शानदार प्रस्तुति भी होगी जानकारी मीडिया प्रभारी सुरेश सूरजवानी द्वारा दी गई।

खेत में काटकर रखी फसल में आग, 2 लाख से ज्यादा का नुकसान

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● खरगोन जिले के मेनगांव थानाक्षेत्र के पंधानिया गांव में बुधवार देर रात खेत में काट कर रखी चने की फसल में आग लग गई। इस घटना में लगभग 20 क्विंटल चना जलकर राख हो गया, जिसकी अनुमानित कीमत 2 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। यह घटना किसान मनोज बारचे के खेत में हुई। किसान हीरालाल कड़वा पाटीदार ने बंटाई पर 3 एकड़ खेत लेकर चने की फसल लगाई थी। आग लगने की सूचना मिलते ही गांव के किसान मौके पर पहुंचे, लेकिन आग की विकराल लपटों के कारण वे कुछ भी प्रयास नहीं कर पाए। महज 30 मिनट में पूरी फसल जलकर राख हो गई। किसानों ने जानबूझकर आग लगाए जाने की आशंका जताई है। घटनास्थल से बिजली लाइन दूर होने के कारण शॉर्ट सर्किट की संभावना नहीं लग रही है। इस संबंध में पुलिस को सूचना दी गई है और मेनगांव पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पीड़ित किसान ने राजस्व पुलिस को घटना की जानकारी दी है। पटवारी मौके पर पहुंचकर पंचनामा रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं और नुकसानी का आकलन किया जा रहा है। जिले में कटी हुई फसल में आग लगने की यह दो दिन में तीसरी घटना है। इससे पहले होली की रात झिरन्या के देवीत बुजुर्ग में अज्ञात व्यक्ति ने आग लगा दी थी, और बुधवार को गोपालपुरा में दो खेतों में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी।

कैंसर-हार्ट का कैशलेस इलाज, मप्र सरकार की सीएम केयर योजना, सुपर स्पेशिएलिटी अस्पतालों में इलाज

भोपाल (एजेंसी) ● मध्य प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए प्रदेश सरकार जल्द ही सीएम केयर योजना लागू करने जा रही है। योजना का ड्राफ्ट तैयार हो चुका है, जिसे मंजूरी के लिए जल्द ही कैबिनेट में रखा जाएगा। विधानसभा में स्वास्थ्य विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने इस योजना का ऐलान किया। शुक्ल ने कहा कि योजना का मकसद प्रदेश में सुपर स्पेशिएलिटी स्वास्थ्य सेवाओं का एक ऐसा मजबूत नेटवर्क तैयार करना है, जिससे प्रदेश के लोगों को इलाज के लिए दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों की ओर रुख न करना पड़े। इस योजना को वित्त विभाग की पहले ही सैद्धांतिक सहमति मिल चुकी है। सरकार की प्रारंभिक योजना के अनुसार, इस पर अगले पांच सालों में करीब 2000 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

जबलपुर बनेगा सबसे बड़ा कैंसर केंद्र: जबलपुर मेडिकल कॉलेज में स्थित 'स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट' की क्षमता को 200 बिस्तरों से तीन गुना बढ़ाकर 600 बिस्तर किया जाएगा। यह विस्तार इसे प्रदेश का सबसे बड़ा सरकारी कैंसर उपचार केंद्र बना देगा, जो महाकौशल क्षेत्र के साथ-साथ पूरे प्रदेश के मरीजों के लिए एक वरदान साबित होगा।

राज्य स्तरीय कार्डियोलॉजी सेंटर: प्रदेश में एक

अत्याधुनिक 'स्टेट कार्डियोलॉजी सेंटर' की स्थापना की जाएगी। हालांकि इसके लिए अभी स्थान का चयन नहीं हुआ है, लेकिन यहां हृदय से जुड़ी जटिल सर्जरी और उपचार की विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

6 मेडिकल कॉलेजों में नए विभाग: इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा और सागर के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में ऑन्कोलॉजी (कैंसर), ऑन्को-सर्जरी, कार्डियोलॉजी और कार्डियक सर्जरी के नए सुपर स्पेशिएलिटी विभाग शुरू किए जाएंगे। इन सभी विभागों की शुरुआत 100-100 बिस्तरों के साथ होगी। भविष्य में इनमें नेफ्रोलॉजी (किडनी रोग) और यूरोलॉजी विभाग भी जोड़े जाएंगे।

अंग प्रत्यारोपण के लिए विशेष संस्थान: योजना के तहत एक प्रदेश स्तरीय अंग प्रत्यारोपण संस्थान भी बनाया जाएगा। यहां लिवर, किडनी, हार्ट, फेफड़े और कॉर्निया जैसे महत्वपूर्ण अंगों के प्रत्यारोपण की सुविधा होगी। यह कदम प्रदेश में बढ़ रहे लाइव और ब्रेन डेड अंगदान को देखते हुए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अस्पतालों में होगी एडवांस टेक्नोलॉजी और ट्रेंड स्टाफ

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री, नरेंद्र शिवाजी पटेल के अनुसार, सरकार कैंसर के इलाज के लिए आधुनिक उपकरण खरीद रही है। पीपीपी मॉडल पर पेट-सीटी (क्क्वञ्ज-ष्टञ्ज) मशीन के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इसके साथ ही, सरकार स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़, यानी मेडिकल स्टाफ, को मजबूत करने पर भी पूरा ध्यान दे रही है।

30,000 भर्तियां

प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए 30,000 चिकित्सा कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया चल रही है, जिसके सितंबर या अक्टूबर 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है।

मेडिकल सीटों की संख्या में बढ़ोतरी

वर्तमान में प्रदेश के 27 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमडी/एमएस की 1909, डीएम की 41 और एम.सीएच. की 43 सीटें स्वीकृत हैं। इस वर्ष नीमच, मंदसौर और सिवनी में नए मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही प्रदेश में 400 एमबीबीएस और 252 पीजी सीटों की वृद्धि की गई है।

होली इवेंट में शराबखोरी का आरोप बजरंग दल का हंगामा

संचालक खिलाफ के कार्यवाही मांग नहीं होने करेंगे थाना घेराव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विहिप के प्रचार प्रसार प्रमुख देवा शर्मा ने बताया कि होली के अवसर पर शहर में आयोजित एक इवेंट को लेकर बजरंग दल और पुलिस के बीच विवाद की स्थिति बन गई। बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि खजराना क्षेत्र स्थित दस्तूर डिलाइट गार्डन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान खुलेआम शराबखोरी हो रही थी, जबकि संगठन ने पहले ही प्रशासन से ऐसे आयोजनों पर सख्ती बरतने की

मांग की थी।

जानकारी के अनुसार विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के इंदौर विभाग संयोजक प्रवीण दरेकर ने होली उत्सव से पहले पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन सौंपकर मांग की थी कि शहर में आयोजित किसी भी होली इवेंट में शराबखोरी न होने दी जाए। उन्होंने चेतावनी भी दी थी कि यदि किसी कार्यक्रम में शराब परोसी गई या शराब पीते लोग मिले तो बजरंग दल अपने तरीके से जवाब देगा।

बताया जा रहा है कि इसी बीच कार्यकर्ताओं को सूचना मिली कि खजराना क्षेत्र के दस्तूर डिलाइट गार्डन में हो रहे एक होली इवेंट में बड़ी मात्रा में शराब परोसी जा रही है। सूचना मिलने पर बजरंग दल के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे। वहां उन्होंने कथित तौर पर कई शराब की बोतलें पकड़ीं और शराब पी रहे कुछ लोगों को रंगे हाथों पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

मंडी पांचवे दिन भी बंद रहेगी, व्यापारी-हम्मालों के बीच डाला भरवाई विवाद पर आज होगी बैठक

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● व्यापारी और हम्मालों के बीच राशि बढ़ाने के विवाद को लेकर बड़नगर में 5 मार्च को भी मंडी बंद रहेगी। निलामी कार्य और खरीद-फरोख्त नहीं होगी हो सकेगी। पिछले चार दिनों से कृषि उपज मंडी बंद है। पांचवे दिन गुरुवार को भी मंडी शुरू नहीं हो पाएगी। मंडी प्रशासन द्वारा व्यापारियों और हम्मालों के बीच चल रहे विवाद के निराकरण को लेकर 5 मार्च को एक बैठक बुलाई गई है। बैठक में निर्णय होने के बाद ही मंडी प्रारंभ होगी। उज्जैन जिले की तहसील बड़नगर में कृषि उपज मंडी में फसल बेचने आए किसान पिछले पांच दिन से परेशान हो रहे है। शुक्रवार को व्यापारियों और हम्मालों में डाला भरवाई की राशि बढ़ाने को लेकर विवाद हो गया। इसके चलते नीलामी कार्य बंद हो जाने से उपज बेचने आए आक्रोशित सैकड़ों किसानों ने मंडी के मुख्य गेट पर ताला लगाकर प्रदर्शन शुरू कर दिया था। दरअसल, हम्माल एसोसिएशन की मांगें दो माह पूर्व मंडी सचिव को लिखित में दी थी। लेकिन मंडी सचिव द्वारा हम्माल एसोसिएशन के आवेदन पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया। चार दिन से दूरदराज से आए सैकड़ों किसान परेशान होते रहे। शुक्रवार को किसानों द्वारा मंडी में प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही एसडीएम धीरेंद्र पाराशर भी मंडी पहुंच गए। पूर्व विधायक मोरवाल ने अधिकारी पाराशर से भी इस मामले को लेकर चर्चा की लेकिन कोई हल नहीं निकला। आज बैठक में निर्णय निकलने की सम्भावना है।

सेवा प्रधान और जागरूक बनाने का पुरुषार्थ करें : पं. मेहता

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हमारा जीवन कर्म प्रधान है। दुर्लभ मनुष्य जीवन की धन्यता तभी संभव है जब हम स्वयं को मूल्यनिष्ठ, सेवा प्रधान और जागरूक बनाने के लिए निरंतर सार्थक पुरुषार्थ करें। हमारे कर्म ही हमें समाज में श्रेष्ठ या उपेक्षित बनाते हैं। मनुष्य चाहे तो मृत्यु भी महोत्सव बन सकती है। ये दिव्य विचार हैं प्रख्यात जीवन प्रबंधन गुरु पं. विजय शंकर मेहता के, जो उन्होंने वन बंधु परिषद इंदौर चैप्टर की मेजबानी में समाजसेवी देहदानी श्याम सुंदर मूंदड़ा की पुण्य स्मृति में आयोजित 'उजास की ओर' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में रवीन्द्र नाट्य गृह में सोमवार को आयोजित एक गरिमापूर्ण समारोह में व्यक्त किए। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान एवं ब्रह्मनाद ओम के सामूहिक उच्चारण के साथ हुआ। परिषद एवं महिला समिति के पदाधिकारियों, अखिलेश राठी, डॉ. आईएल मूंदड़ा, विकल्प मूंदड़ा सहित अन्य बंधुओं ने प्रारम्भ में दीप प्रज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया। अध्यक्षता समाजसेवी अखिलेश राठी ने की, जिन्होंने स्व. मूंदड़ा के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए वन बंधु परिषद के उद्देश्य एवं कार्यों की जानकारी भी प्रदान की। कार्यक्रम में श्रीमती रासू जैन, अनुराग मूंदड़ा एवं संदीपन आर्य, सीए अतिशय खासगीवाला ने भी अपने

प्रेरक विचार व्यक्त किए। संदीपन आर्य ने अंगदान एवं देहदान का महत्व समझाया, वहीं खासगीवाला ने वसीयत एवं नॉमिनेशन की महत्ता बताई। अतिथियों का स्वागत श्रीमती सुषमा चौधरी, मनोज जैन, प्रवज्ञा, प्रत्युष एवं आयुष मूंदड़ा ने किया। अंत में आभार माना गौरव एरन ने। पं. विजय शंकर मेहता ने अपने उद्बोधन में मनुष्य जीवन की सार्थकता, कर्मों की प्रधानता और श्रेष्ठता की प्रभावी विवेचना करते हुए देहदानी श्याम सुंदर मूंदड़ा को भावपूर्ण श्रद्धा सुमन समर्पित किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शहर के धार्मिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

ना डिग्री, ना पर्मिशन, ना पंचायत की अनुमति फिर भी धड़ल्ले से लगा रहे इंजेक्शन बोतल

बनेडिया में झोलाछाप डॉक्टर कर रहे इलाज

निलेश चौहान (94250-77209)

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

ग्रामीण क्षेत्रों में झोलाछाप डॉक्टर कर रहे धड़ल्ले से इलाज अधिकतर ग्रामीण अंचल में बंगाली डॉक्टरो ने अपना जाल बिछा रखा है इनके पास किसी भी दर्द का इलाज करवा लो हमेशा इलाज के लिए तैयार रहते हैं। सबसे बड़ी बात ना इनके पास परमिशन ना डिग्री ना पंचायत की अनुमति उसके बावजूद भी गांव-गांव में दो से तीन बंगाली डॉक्टर आपको मौजूद मिलेंगे ऐसा ही हाल बनेडिया के ग्रामीण क्षेत्र में देखने को मिला यहां एक क्लीनिक पर ना तो बोर्ड लगा है ना डिग्री दिखाई देती है। लेकिन बरसों से एक झोलाछाप डॉक्टर यहां इलाज कर रहे हैं इतना ही नहीं इस क्लीनिक पर इंजेक्शन लगाने से लेकर बोतल लगाने तक की तमाम व्यवस्थाएं हैं।

बनेडिया में क्लीनिक पर पहले भी छापा मार कार्यवाही की गई थी। बड़ी मात्रा में खाली इंजेक्शन खाली बोतल यहां से बरामद की गई थी साथ ही इस क्लीनिक पर लगभग आठ से दस पलग भी लगे हुई मिले थे इस क्लीनिक को सील भी किया गया था, लेकिन शासन प्रशासन

झोलाछाप डॉक्टर का क्लीनिक ना बोर्ड लगा ना डिग्री

के नियमों की धज्जियां उड़ते हुए। तीन दिन बाद क्लिनिक चालू किया गया। इसमें सूत्र बताते हैं कि मोटा लेनदेन कर क्लीनिक की सील खोली गई थी, तब से लेकर आज तक क्लीनिक चल रहा है लेकिन मरीजों की जान के साथ खुलेआम खिलवाड़ हो रहा है, जानकारी में पता चला कि मरीज को हाई पावर की दवाइयां दी जाती है।

हाई पावर के इंजेक्शन लगाए जाते हैं, जिससे उन्हें तत्काल आराम मिल सके लेकिन हाई पावर की दवाइयां शरीर के लिए हार्ड के लिए बहुत घातक है धीरे-धीरे शरीर को डैमेज करता है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारी इस और ध्यान नहीं दे रहे हैं ऐसे कहीं गांव है जहां झोलाछाप डॉक्टर धड़ले से आम आदमी की जान के साथ खिलवाड़ कर रहा है। पहले भी आगरा गांव में एक मरीज के साथ घटना घटित हो चुकी दराद का इंजेक्शन लगाने के बाद मरीज के कूल्हे में इंफेक्शन के साथ घाव हो गया था।

जिसकी शिकायत देपालपुर थाने पर भी की गई है इस घटना के बाद भी क्षेत्र में कोई कार्यवाही नहीं की गई थी लेकिन अब देखना होगा। क्या देपालपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्यवाही होगी या फिर मरीज की जान के साथ झोलाछाप डॉक्टर खिलवाड़ करते रहेंगे।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

युद्ध के बिगड़ते स्वरूप के बीच भारतीयों को वापस लाना चिंता का विषय

सरकार की ओर से आश्वस्त किया गया है कि युद्ध के असर से जूझ रहे देशों में भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित भारतीय दूतावासों से बातचीत की गई है। ईरान पर इजरायल और अमेरिका के साझा हमले के बाद युद्ध का स्वरूप बिगड़ता जा रहा है और कहना मुश्किल है कि आने वाले दिनों में यह कौन-सी दिशा अख्तियार करेगा। खासतौर पर हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान की ओर से जिस तरह की प्रतिक्रिया सामने आ रही है, उसमें मध्य-पूर्व के देशों में भी स्थिति चिंताजनक हो रही है। इस बीच भारत के लिए एक बड़ी फिक्र यह खड़ी हुई है कि अलग-अलग उद्देश्य से मध्य-पूर्व के देशों में गए जो भारतीय फंस गए हैं, उन्हें वहां से सुरक्षित कैसे निकाला जाए। अमेरिका और इजरायल के साझा हमले के जवाब में ईरान ने इजरायल को निशाना बनाने के साथ-साथ बहरीन, सऊदी अरब, कतर समेत कई देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों पर मिसाइल से हमले किए हैं। ऐसे में समझा जा सकता है कि वहां रहने वाले लोगों के सामने किस तरह की मुश्किलें खड़ी हो रही होंगी। स्वाभावकि ही भारत के सामने बड़ी चिंता उन इलाकों में फंसे भारतीयों को वापस लाने की है। दरअसल, समूचे पश्चिम एशिया का इलाका इस समय युद्ध क्षेत्र में तब्दील हो गया लग रहा है। स्वाभाविक ही वहां रह रहे तमाम आम लोगों के सामने खुद को सुरक्षित रखना एक बड़ी चुनौती है। दूसरी ओर, जो लोग दूसरे देशों से वहां गए हैं, वे किसी तरह वहां से निकलने की उम्मीद में हैं। ऐसे में भारत सरकार ने युद्ध प्रभावित देशों से भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए कोशिश शुरू की है, लेकिन ठोस नतीजे के लिए समय रहते कदम उठाना जरूरी है। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते हालात की समीक्षा की और सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे घटनाक्रम से प्रभावित भारतीयों की सहायता के लिए जरूरी और व्यावहारिक कदम उठाएं। सरकार की ओर से आश्वस्त किया गया है कि युद्ध के असर से जूझ रहे देशों में भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित भारतीय दूतावासों से बातचीत की गई है। भारत ने शांति और सुरक्षा के साथ-साथ विवादों के समाधान के लिए संवाद तथा कूटनीति का समर्थन किया है, लेकिन फिलहाल ज्यादा जरूरत इस बात की है कि युद्धग्रस्त इलाकों में फंसे लोगों की सुरक्षित वापसी की प्रक्रिया शुरू की जाए। गौरतलब है कि ईरान में करीब दस हजार भारतीय नागरिक रहते हैं, जो पढ़ाई और काम करते हैं। वहीं इजरायल में चालीस हजार से ज्यादा भारतीय रहते हैं।

जगमगाते महानगरों के भीतर पनपती खामोश महामारी

- सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ते लोग, भीतर से दरकते रिश्ते
- महानगरः अवसरों की भूमि या संवेदनाओं का सूखा मैदान?

पहले शहरों को उम्मीदों की फैक्ट्री कहा जाता था। यहाँ रोशनी कभी बुझती नहीं, सपने थकते नहीं और भीड़ ठहरती नहीं। फिर भी इस अनवरत चहल-पहल के बीच एक गहरी खामोशी जन्म ले रही है। 1.4 अरब लोगों के देश में, जहाँ हर प्लेटफॉर्म, हर चौराहा, हर बाज़ार भीड़ से अटा है, वहीं दिलों के भीतर सूनापन फैलता जा रहा है। ऊँची इमारतों की जगमगाती खिड़कियाँ बताती हैं कि लोग मौजूद हैं, पर मौजूदगी और अपनापन अलग बातें हैं। शहरों ने हमें कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा किया, मगर दिलों के बीच फासले बढ़ा दिए। यही फासला अब महामारी की तरह फैल रहा है। सर्वे बताते हैं कि 61 प्रतिशत भारतीय अकेलापन महसूस करते हैं, और युवाओं में यह दर सबसे अधिक है।

अकेलापन अब केवल निजी कमजोरी नहीं, हमारी सामाजिक बनावट की दरार है। महानगरों की दौड़ ऐसी है कि रिश्ते रास्ते में छूट जाते हैं। सुबह की सिटी बस या मेट्रो में सैकड़ों चेहरे साथ चलते हैं, पर कोई नज़र किसी पर ठहरती नहीं। सोशल मीडिया पर हजारों फॉलोअर्स जुड़ते हैं, पर कठिन समय में सहारा देने वाला हाथ नहीं मिलता। डिजिटल जुड़ाव ने संवाद का आभास रचा, मगर उसकी संवेदना छीन ली। इमोजी हँसते हैं, पर असली मुस्कान की गर्माहट गायब है। यह बनावटी निकटता भीतर के शून्य को और गहरा करती है-मानो भीड़ के बीच खड़ा व्यक्ति अपने ही अस्तित्व से दूर हो गया हो।

आज का शहर प्रतिस्पर्धा की प्रयोगशाला बन गया है, जहाँ हर व्यक्ति खुद को साबित करने की दौड़ में सांस ले रहा है। नौकरी की अस्थिरता, बढ़ती महँगाई, किराए का बोझ और करियर की अनिश्चितता मन पर अदृश्य दबाव बनाते हैं। आर्थिक सुरक्षा की खोज में लोग भावनात्मक सहारे से समझौता कर बैठते हैं। रिश्ते समय चाहते हैं, और समय सबसे महँगी पूँजी हो चुका है। परिवार सिमटते गए, पड़ोसी अपरिचित होते गए, दोस्तियाँ औपचारिकताओं में बदलती गईं। नतीजा यह कि इंसान सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ता रहा, पर भीतर की सीढ़ियाँ दरकती रहीं। उपलब्धियों के शोर में दिल की धीमी आवाज़ कहीं खोती चली गई।

भारत जैसे देश में, जहाँ सामूहिकता परंपरा की पहचान रही है, वहाँ भी यह बदलाव साफ दिखता है। कभी आँगन में दादी की कहानियाँ गूँजती थीं, मोहल्ले की चौपालें सजती थीं और त्योहार मिलन का बहाना बनते थे। अब त्योहार इंस्टाग्राम स्टोरी बन गए हैं, परिवार व्हाट्सऐप ग्रुप तक सिमट गया है। संयुक्त परिवारों की जगह एकल जीवनशैली ने ले ली है। स्वतंत्रता तो बढ़ी है, पर सहारा कम हो गया है। आधुनिकता ने विकल्पों की भरमार दी, मगर उसी ने स्थायित्व छीन लिया। बदलते सामाजिक ढाँचे में व्यक्ति स्वायत्त तो हुआ, पर भीतर से और अधिक अकेला। यही विरोधाभास शहरों की गहरी त्रासदी बन चुका है।

रोज़गार और बेहतर भविष्य की तलाश में लाखों लोग अपने कस्बों और गाँवों से दूर आ बसे हैं। इस बदलाव ने अवसर तो दिए, पर पहचान की मिट्टी छीन ली। नए शहर में सब कुछ नया होता है—भाषा की लय, व्यवहार की शैली, जीवन की रफ्तार। व्यक्ति रोज़ाना अनुकूलन करता है, पर भीतर कहीं जड़ों की तलाश बनी रहती है। त्योहारों पर घर न पहुँच पाने की कसक, अपनों की आवाज़ से दूरी और साझा स्मृतियों का अभाव मन को अनकहा बोझ दे जाता है। नए संबंध बनते हैं, पर पुराने जैसा सहज भरोसा नहीं पनपता। यह विस्थापन बाहर से उपलब्धि लगता है, भीतर से रिक्तता का कारण बन जाता है।

मानसिक स्वास्थ्य के आँकड़े इस सच को और तीखा कर देते हैं। अवसाद, चिंता और अनिद्रा की समस्याएँ तेज़ी से फैल रही हैं। विडंबना यह कि भीड़ से भरे शहरों में भी लोग अपनी पीड़ा चुपचाप ढोते हैं; मदद माँगना अब भी कमजोरी माना जाता है। सफलता की चमक के पीछे संघर्ष की छाया दिखती नहीं। कॉर्पोरेट दफ्तरों की जगमग इमारतों में बैठे अनेक लोग भीतर से दरके होते हैं। वे पेशेवर मुस्कान ओढ़े रहते हैं, पर निजी जीवन में संवाद का अभाव झेलते हैं। समाज ने उपलब्धियों को सराहा, पर भावनात्मक संतुलन को अनदेखा किया। यही असंतुलन अब धीमे-धीमे महामारी का रूप ले चुका है।

शहरों की बनावट भी इस अकेलेपन को गहरा करती है। गेटेड सोसायटी सुरक्षा तो देती हैं, पर ऊँची दीवारें संवाद के रास्ते बंद कर देती हैं। पड़ोसी वर्षों तक एक-दूसरे का नाम तक नहीं जानते। पार्कों में लोग साथ-साथ चलते हैं, पर अपनी-अपनी दुनिया में गुम रहते हैं। सार्वजनिक स्थल सिमट रहे हैं, और निजी स्क्रीन फैलती जा रही हैं। बच्चे मैदानों से ज्यादा मोबाइल पर समय बिताते हैं। बुजुर्ग अपार्टमेंट की बालकनी से नीचे झाँकते हैं, पर बातचीत का अवसर दुर्लभ है। भौतिक विकास ने सुविधाएँ बढ़ाई, पर मानवीय स्पर्श घटा दिया। यही स्पर्शहीनता दिलों को भीतर से बंजर बना रही है।

फिर भी इस अँधेरे में आशा की लौ टिमटिमा रही है। कई शहरों में सामुदायिक पहलें जन्म ले रही हैं, जहाँ लोग पुस्तक क्लबों, कला कार्यशालाओं और सामाजिक समूहों के जरिये फिर से जुड़ने की कोशिश कर रहे हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर संवाद शुरू हुआ है। नई पीढ़ी अपनी भावनाएँ व्यक्त करने में पहले से अधिक निर्भीक दिखती है। कार्यस्थलों पर वेलनेस कार्यक्रम और लचीले समय की अवधारणा भी जगह बना रही है। यह संकेत है कि समाज समस्या को पहचानने लगा है। और पहचान ही समाधान की पहली सीढ़ी होती है। जब हम स्वीकारते हैं कि अकेलापन सच है, तभी उससे लड़ने की दिशा में ठोस कदम उठते हैं। अंततः प्रश्न यह नहीं कि शहरों में कितने लोग बसते हैं, बल्कि यह कि कितने दिल सचमुच जुड़े हैं। 1.4 अरब की आबादी में भी यदि व्यक्ति खुद को अनसुना पाए, तो कमी संख्या में नहीं, संवेदना में है। हमें संवाद की संस्कृति को फिर से सांस देनी होगी। रिश्तों में वही निवेश करना होगा, जो हम करियर में करते हैं। पड़ोसी से परिचय, मित्र से बेझिझक बात, परिवार के साथ बिताया समय—ये छोटे कदम बड़े बदलाव की नींव बन सकते हैं। शहर तब सचमुच जीवंत होंगे, जब उनमें रहने वाले लोग एक-दूसरे की धड़कन सुन सकेंगे। भीड़ के बीच भी अपनापन संभव है—बस हमें ठहरकर किसी का हाथ थामने का साहस जुटाना होगा।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत',
बड़वानी (मप्र)

आंचलिक

बस स्टैंड पर लगे शोपीस बने वॉटर एटीएम

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ●शहर में सस्ती दरों पर शुद्ध और ठंडा पानी देने के उद्देश्य से लगाए गए वॉटर एटीएम अब शोपीस बनकर रह गए हैं। बस स्टैंड क्षेत्र में लगे एटीएम पिछले एक साल से बंद पड़ा हैं। मेंटेनेंस के अभाव में इनकी हालत खराब हो गई है। बस स्टैंड पर प्रतिदिन सैकड़ों यात्री आते हैं। नागरिकों ने वॉटर एटीएम जल्द शुरू कराने की मांग की है।

सभी थाना क्षेत्रों में फुट पेट्रोलिंग, होली, रमजान के मद्देनजर पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा व्यवस्था

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार ने होली और रमजान माह के मद्देनजर जिले की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को शाम के समय अनिवार्य रूप से पैदल गश्त (फुट पेट्रोलिंग) करने और अवैध गतिविधियों पर पैनी नजर रखने को कहा है। मंगलवार शाम को पूरे जिले के संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल ने मार्च निकाला और आमजन को शांति व्यवस्था बनाए रखने की समझाइश दी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश और सीएसपी गौरव पाटिल के मार्गदर्शन में मंगलवार शाम को जिले के सभी थाना और चौकी प्रभारियों ने अपने क्षेत्रों में फुट पेट्रोलिंग की। इस दौरान पुलिस ने शहर के मुख्य चौराहों, बाजारों, धार्मिक स्थलों, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन जैसे भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

भ्रमण के दौरान पुलिसकर्मियों ने लोगों को अवैध रूप से जमावड़ा न करने और गैर-कानूनी गतिविधियों से दूर रहने की हिदायत दी। पुलिस ने आमजन से विशेष अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक, भ्रामक या भड़काऊ पोस्ट साझा न करें। पुलिस की तकनीकी टीम इंटरनेट मीडिया पर कड़ी नजर रखे हुए है और उल्लंघन करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कोतवाली, शिकारपुरा, गणपति नाका, निंबोला, लालबाग, नेपाननगर और खकनार सहित सभी चौकी क्षेत्रों में सघन पैदल गश्त की गई। सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए फील्ड में जवानों की अतिरिक्त ड्यूटी लगाई गई है। जमीन पर गश्त के साथ-साथ आसमान से ड्रोन कैमरों और शहर में लगे ष्ट्टञ्झ्‌ के जरिए भी संदिग्धों की निगरानी की जा रही है।

खकनार सरकारी कॉलेज को 2 करोड़ 8 लाख रुपए स्वीकृत, बनेंगे 2 नए हाईटेक भवन

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● जिले के शासकीय महाविद्यालय खकनार के दिन अब बहुरने वाले हैं। खंडवा संसदीय सीट से सांसद ज्ञानेश्वर पाटील के विशेष प्रयासों से कॉलेज में नवीन एवं अतिरिक्त भवन निर्माण के लिए 2 करोड़ 8 लाख 52 हजार रुपये की बड़ी राशि स्वीकृत की गई है। इस फंड से कॉलेज परिसर में दो नए आधुनिक भवन बनाए जाएंगे, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए एक बेहतर और सर्वसुविधायुक्त माहौल मिल सकेगा।सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने खकनार क्षेत्र को मिली इस बड़ी शैक्षणिक सौगात के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार का विशेष आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें युवाओं के भविष्य को सशक्त बनाने के लिए उच्च शिक्षा और उसके बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ काम कर रही हैं। सांसद पाटील ने बताया कि शासन से स्वीकृत इस 2 करोड़ 8 लाख से अधिक की राशि से खकनार स्थित सरकारी कॉलेज परिसर में दो अतिरिक्त अत्याधुनिक भवनों का निर्माण किया जाएगा। इन नए भवनों में सर्वसुविधायुक्त आधुनिक कक्षाएं, बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं और सभी आवश्यक आधारभूत संरचनाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को एक शानदार और सकारात्मक अध्ययन वातावरण मिलेगा। नए भवनों के निर्माण को लेकर सांसद ने विश्वास जताया कि इससे न केवल कॉलेज के भौतिक संसाधनों में वृद्धि होगी, बल्कि विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को भी एक नई दिशा मिलेगी। इन सुविधाओं के तैयार होने से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के समान अवसर प्राप्त होंगे, जिससे उच्च शिक्षा के प्रति युवाओं का रुझान बढ़ेगा और पूरे बुरहानपुर जिले का शैक्षणिक भविष्य और अधिक मजबूत होगा।

देशी, इंग्लिश शराब के साथ एक गिरफ्तार, तीन पुलिया ओवरब्रिज के पिल्लर्स में छिपा रखी थी पेटियां

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा● शराब तस्करी की फिराक में घूम रहे एक बदमाश को पुलिस ने पकड़ा है। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात में पुलिस ने कार्रवाई की है। आरोपी के कब्जे से देशी और इंग्लिश के 298 क्वार्टर बरामद किए गए है। खास बात यह है कि, आरोपी ने 5 पेटी शराब को तीन पुलिया ओवरब्रिज के लिए पिल्लर्स में छिपा रखा था। पुलिस मौके पर गई तो आरोपी वॉक रहा था। सख्ती से पूछताछ की तो वह टूट गया। जिसे गिरफ्तार कर लिया है। मामला थाना कोतवाली क्षेत्र का है, रविवार देर रात एक बजे पुलिस टीम ने तीन पुलिया रेलवे गेट के पास दबिश दी। रात्रि गश्त के दौरान एएसआई मनोज सोनी के नेतृत्व में 6 जवानों ने धावा बोल दिया। मौके पर गए तो सिर्फ एक व्यक्ति मिला, जिसकी पहचान शैलेष पिता शिवराज कटारे निवासी गंज बाजार के रूप में हुई। जिस पर पूर्व से भी शराब तस्करी के मामले दर्ज है। लेकिन उस वक्त न कोई वाहन था और ना ही उसके पास शराब थी। उधर, मुखबिर की ओर से कन्फर्म था कि आरोपी के पास बड़ी मात्रा में शराब है। एएसआई मनोज सोनी ने बताया कि, आरोपी शैलेष को मौके पर कस्टडी में लेकर सख्ती से पूछताछ की गई। तब जाकर शैलेष टूटा और बताया कि ओवरब्रिज के पिल्लर्स में जो गेप है, वहां शराब की पेटियां छुपा रखी है। पुलिस ने कुल 5 पेटियां बरामद की है। इनमें 98 क्वार्टर गोवा इंग्लिश की एक पेटी और 200 देशी क्वार्टर की 4 पेटियां शामिल है। कुल 53 लीटर शराब जब्त कर आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की गंभीर धारा में केस दर्ज किया है।

मस्जिद पर पत्थरबाजी केस में 6 गिरफ्तार, 4 आरोपी नाबालिग, पुलिस ने दो जुलूस निकाला

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा● कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित खड़कपुरा इलाके में मक्का मस्जिद पर पत्थरबाजी हो गई थी। इस केस में पुलिस ने 24 घंटे के भीतर 6 आरोपियों को अरेस्ट कर लिया हैं। इनमें चार आरोपी नाबालिग हैं। पुलिस ने दो आरोपियों को उसी मस्जिद के पास ले जाकर क्षेत्र में जुलूस निकाला हैं। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी नशे के आदी हैं। मंगलवार को ईशा की नमाज के दौरान मक्का मस्जिद पर पत्थर फेंकने की घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। मेन हिंदी स्कूल परिसर में घुसे कुछ युवकों ने मस्जिद की ओर पत्थर फेंके, जिनमें से एक पत्थर मस्जिद की पीछे की खिड़की पर लगा। तेज आवाज से नमाज अदा कर रहे लोगों में अफरा-तफरी मच गई थी। घटना की सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग मौके पर एकत्र हो गए और माहौल को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया। स्थिति को संभालने के लिए ष्टस्क्क अभिनव कुमार बारंगे और प्रशिक्षु IPS अमित कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को आश्वस्त किया कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। कोतवाली पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए 24 घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में वसीम पिता शकील और जाकिर पिता जाहिद, दोनों निवासी हरिगंज, खंडवा शामिल हैं। बुधवार को पुलिस ने दोनों आरोपियों का खड़कपुरा क्षेत्र में जुलूस निकाला। पुलिस के अनुसार इस मामले में कुल छह आरोपी शामिल थे, जिनमें चार नाबालिग हैं। नाबालिग होने के कारण उनके नाम सार्वजनिक नहीं किए जा सकते।

डायटम टेस्ट गुंडे मनीष की हत्या साबित, दोस्तों के साथ ओंकारेश्वर आया था

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा● 30 जनवरी को ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी के किनारे इंदौर निवासी मनीष भट्ट की लाश मिली थी। शव के हाथ-पैर बंधे थे। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया तो डॉक्टरों ने संशय जताया। इसके बाद मौत का कारण जानने के लिए डायटम टेस्ट कराया गया। रिपोर्ट में सामने आया कि मनीष की मौत पानी में डूबने से नहीं हुई हैं। यानी यह हत्या थी, अब पुलिस की नजर मनीष के उन 50 दोस्तों पर है, जो उस दिन ओंकारेश्वर आए थे। दरअसल, 25 जनवरी को इंदौर के तिलक नगर क्षेत्र (पिपल्याहाना) निवासी मनीष भट्ट अपने दोस्तों के साथ ओंकारेश्वर दर्शन करने आया था। 10-10 दोस्तों के अलग-अलग ग्रुप में 50 लोग शामिल थे। ये लोग नर्मदा स्नान के लिए संगम घाट पर पहुंचे थे। स्नान के बाद मनीष लापता हो गया। इंदौर निवासी परिजन ने गुमशुदगी दर्ज कराई। 5 दिन बाद 30 जनवरी के दिन नर्मदा किनारे ग्राम बिल्लौरा में मौनी बाबा आश्रम के पास एक लाश मिली। जिसकी शिनाख्त मनीष भट्ट के रूप में हुई। मामले में थाना मांधाता पुलिस ने शव बरामद कर जांच शुरू की। पोस्टमार्टम के दौरान सिर के पीछे चोट और गले में रस्सी से बने निशान पाए गए।

दिव्यांग चैलेंजर ट्रॉफी 2026

मप्र की ऐतिहासिक विजय-44 गेंदों में 116 रन की रिकॉर्ड साझेदारी से फाइनल में

पटना (एजेंसी) • बिहार क्रिकेट डेवलपमेंट एसोसिएशन द्वारा दिव्यांग क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ऑफ इंडिया के तत्वावधान में दिनांक 11 एवं 12 फरवरी को ऊर्जा स्टेडियम, पटना में दिव्यांग चैलेंजर ट्रॉफी 2026 का भव्य एवं सफल आयोजन सम्पन्न हुआ। इस राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता में बिहार, जम्मू-कश्मीर एवं मध्य प्रदेश की टीमों ने सहभागिता की। डे-नाइट प्रारूप में खेले गए फाइनल मुकाबले में मध्य प्रदेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जम्मू-कश्मीर को 2 विकेट से पराजित कर ऐतिहासिक विजय दर्ज की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जम्मू-कश्मीर की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 200 रन बनाकर 3 विकेट खोए। राहुल शर्मा ने नाबाद 89 रन तथा आकीब मलिक ने 43 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली, जिससे मध्य प्रदेश के सामने 201 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा गया। मध्य प्रदेश की ओर से गेंदबाजों ने अनुशासित एवं प्रभावी प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीम को नियंत्रित रखा।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी मध्य प्रदेश की टीम ने दबाव की स्थिति में भी आत्मविश्वास बनाए रखा। मैच का निर्णायक क्षण तब आया जब संजय साकेत

एवं लकी कडारिया ने मात्र 44 गेंदों में 116 रनों की विस्फोटक एवं रिकॉर्ड साझेदारी कर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। लकी कडारिया ने 20 गेंदों पर 67 रन तथा संजय साकेत ने 25 गेंदों पर 48 रन बनाकर टीम को जीत की मजबूत स्थिति में पहुंचाया। मध्य प्रदेश ने मात्र 18 ओवरों में 202 रन बनाकर लक्ष्य हासिल करते हुए ट्रॉफी अपने नाम कर ली। इस ऐतिहासिक जीत में कप्तान माखन सिंह राजपूत की सूझबूझ भरी कप्तानी, अंकित सिंह के अनुभव तथा पूरी टीम के सामूहिक प्रयास की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिससे इतना बड़ा लक्ष्य भी सहजता से प्राप्त किया जा सका। फाइनल मुकाबले में उत्कृष्ट बल्लेबाजी एवं उपयोगी गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए लकी कडारिया को 'मैन ऑफ द मैच' घोषित किया गया। शानदार विकेटकीपिंग, सटीक कैच एवं स्टंपिंग के लिए मध्य प्रदेश के वेदांत गुप्ता को 'सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर पुरस्कार' प्रदान किया गया, जबकि बेहतरीन क्षेत्ररक्षण के लिए संजय साकेत को 'सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

पूरे टूर्नामेंट में मध्य प्रदेश के हरफनमौला खिलाड़ी अंकित सिंह बघेल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 130 रन बनाए एवं 9 विकेट हासिल किए। उनके निरंतर उत्कृष्ट खेल के लिए उन्हें 'मैन ऑफ द सीरीज', 'सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज' तथा दो बार 'मैन ऑफ द मैच' के पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

मध्य प्रदेश टीम के कोच अंकित रॉकी शर्मा ने कहा, 'यह जीत खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और टीमवर्क का परिणाम है। हमारे खिलाड़ियों ने सिद्ध कर दिया कि हौसलों के सामने कोई लक्ष्य बड़ा नहीं होता। यह पूरे मध्य प्रदेश और दिव्यांग क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण है।'

पीवी सिंधु सुरक्षित भारत लौटीं, ऑल इंग्लैंड ओपन खेलने जा रहीं थीं बर्मिंघम

बंगलुरु (एजेंसी) •बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु सुरक्षित भारत लौट आई हैं। सिंधु ईरान के ड्रोन अटैक के बीच दो दिन पहले दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फंस गई थीं। वह ऑल इंग्लैंड ओपन खेलने के लिए बर्मिंघम जा रही थीं। दुबई से सिंधु की कनेक्टिंग फ्लाइट थी। 30 साल की सिंधु ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर वीडियो पोस्ट कर वहां के हालात बताए थे। सिंधु ने ट्वीट किया कि पिछले कुछ दिन उनके लिए बेहद तनावपूर्ण और अनिश्चित रहे, लेकिन अब वह बंगलुरु में सुरक्षित हैं और भारत लौटने पर उन्हें बड़ी राहत महसूस हो रही है। उन्होंने दुबई एयरपोर्ट अधिकारियों, भारतीय उच्चायोग तथा स्थानीय सहायता कर्मियों का धन्यवाद किया, जिन्होंने इस कठिन समय में उनकी मदद की।

आईसीसी एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में मंधाना शीर्ष पर पहुंची

दुबई (एजेंसी) •अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना नंबर एक स्थान पर पहुंच गयी हैं। मंदाना को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। वहीं दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट दूसरे नंबर पर खिसक गयी हैं। मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज़ में 58 और 31 रन रन बनाये थे जिससे उनके रेटिंग अंक 790 हो गये हैं। । इसके साथ वह वोल्वार्ड्ट के 782 अंकों से आगे निकल गयी हैं। बेथ मूनी 745 अंकों के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं। वहीं

ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तान एलीसा हीली चौथे नंबर पर बनी हुई हैं। हीली ने अपने करियर के अंतिम एकदिवसीय में शतक लगाया था। हीली के 744 रेटिंग पॉइंट्स हैं जबकि बेथ मूनी के 749 और एसलीगेह गार्डनर के 724 अंक हैं। वहीं भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर चार स्थान ऊपर आकर शीर्ष दस में पहुंच गयी हैं। वह नौवें स्थान पर हैं। भारत की ही मिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर बनी हुई हैं।

'डकैत: एक प्रेम कथा' का रोमांटिक ट्रैक 'रूबरू' रिलीज

मुंबई (एजेंसी) • अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर आगामी एक्शन-थ्रिलर डकैत: एक प्रेम कथा का नया रोमांटिक गाना 'रूबरू' सोनी म्यूजिक साउथ के यूट्यूब चैनल पर जारी किया गया। गाने की शुरुआत जेल की घंटी की आवाज से होती है, जिसके बाद जेल के भीतर कैदियों और जेलर के बीच घटना एक छोटा-सा दृश्य दिखाया जाता है। इसी माहौल के बीच धीरे-धीरे फिल्म के लीड कलाकारों की एंट्री होती है और उनका रोमांटिक ट्रैक गाने को एक नया रंग देता है। मृणाल ठाकुर को एक अमीर खानदान की लड़की के रूप में दिखाया गया है, जबकि अदिवि शेष एक साधारण और गरीब परिवार के युवक की भूमिका निभा रहे हैं। गाने में मृणाल के छुपकर अदिवि से मिलना और अदिवि का हर पल उनका इंतजार करना कहानी को भावनात्मक गहराई देता है। दोनों कलाकारों की सहज और स्वाभाविक केमिस्ट्री ने गाने को और भी आकर्षक बना दिया है। रिलीज के कुछ ही घंटों के भीतर यूट्यूब पर आए लाखों व्यूज और कमेंट्स यह साबित करते हैं कि दर्शकों ने इस रोमांटिक अंदाज को खूब पसंद किया है।

परिवार और दोस्तों संग रोम की सैर पर निकली राशि खन्ना

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेत्री राशि खन्ना आजकल इटली की खूबसूरत वादियों में छुट्टियां मना रही हैं। साउथ सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री राशि इस बार अपने परिवार और दोस्तों संग रोम की सैर पर निकली हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी यात्रा की कुछ तस्वीरें साझा कीं, जो कुछ ही देर में सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। पहली तस्वीर में एक कपल को गुलाब का फूल देते हुए दिखाया गया है, जबकि बाकी तस्वीरों में राशि रोम की गलियों, ऐतिहासिक जगहों और कैफे में खुशगवार पलों का आनंद लेती नजर आ रही हैं। अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'रोम की सबसे खूबसूरत बात मेरे सामने मेज के उस पार बैठी थी।' अभिनेत्री की इन तस्वीरों पर फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं और कमेंट सेक्शन में हार्ट व फायर इमोजी की बाढ़ सी आ गई है। राशि खन्ना की बात करें तो वे साउथ इंडस्ट्री की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। एक्टिंग के साथ-साथ उनकी गायिकी भी दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय है। तेलुगु और तमिल फिल्मों में अपनी प्रभावशाली मौजूदगी दर्ज करा चुकी राशि सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय रहती हैं।

उज्जैन संभाग

धधकते अंगारों पर चले भक्त, धुलेंडी पर महिदपुर-घोंसला-तराना में आस्था का 'चूल' आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •धुलेंडी पर्व पर जहां पूरा देश रंगों में सराबोर है, वहीं उज्जैन के पास महिदपुर, घोंसला और तराना में मन्नत के नाम पर श्रद्धालु धधकते अंगारों पर चल रहे हैं। यही नहीं, वे अपने मासूम बच्चों की जान को भी खतरे में डालकर अंगारों से निकलते हुए नजर आए। इस दौरान कुछ छोटे बच्चे भी अंगारों पर दौड़ लगाते हुए दिखाई दिए। महिदपुर के धुर्जटेश्वर महादेव मंदिर, घोंसला के मनकामनेश्वर महादेव मंदिर और तराना के महादेव मंदिर में धुलेंडी पर्व पर चूल का आयोजन किया गया। आस्था के नाम पर भक्त धधकते अंगारों पर चलकर निकले। दरअसल, मान्यता के अनुसार अपनी मन्नत पूरी होने पर बड़ी संख्या में भक्त धुलेंडी के दिन अंगारों पर चलते हैं। सालों पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए यहां भव्य 'चूल' का आयोजन किया जाता है, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु जयकारों के साथ

धधकते अंगारों पर नंगे पैर चलते हैं। घोंसला में मनकामनेश्वर महादेव मंदिर के सामने सालों पुरानी परंपरा के अनुसार इस बार भी लगभग 30 से 35 फीट लंबा और चार फीट चौड़ा गड्ढा तैयार किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन कर उसमें लकड़ियां सजाई गई और मंदिर के अखंड दीप से अग्नि प्रज्वलित की गई। कुछ ही देर में वह स्थान धधकते अंगारों में बदल गया।

आग की लपटों के बीच ढोल-नगाड़ों की गूंज और 'हर-हर महादेव' के जयकारों के साथ सबसे पहले मंदिर के पुजारी ने नंगे पांव अंगारों पर चलकर परंपरा का शुभारंभ किया। उनके पीछे-पीछे श्रद्धालुओं की लंबी कतार लग गई। कोई सिर पर कलश रखे था, कोई अपने बच्चे को गोद में लिए था, तो कोई वर्षों पुरानी मन्नत पूरी होने पर अंगारों पर कदम रख रहा था।

महिदपुर में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति में कार्यक्रम की शुरुआत पूर्ण विधि-विधान और धार्मिक अनुष्ठान के साथ हुई। महंत राजेंद्र भारती ने माता हिंगलाज के नाम से विशेष पूजा-अर्चना की। मंत्रोच्चार के बीच जैसे ही धधकते अंगारों की चूल को प्रज्वलित किया गया, श्रद्धालुओं की मान्यता है कि माता हिंगलाज और भगवान भोलेनाथ के आशीर्वाद से ये अंगारे उनके लिए पुष्प के समान शीतल हो जाते हैं। चूल आयोजन से पूर्व गांव की पारंपरिक 'गैर' ने भगवान शिव की विशेष आराधना की। ढोल-धमाकों और पारंपरिक वाद्य यंत्रों की थाप पर थिरकते श्रद्धालुओं ने महादेव का आह्वान किया। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग अंगारों पर चलते नजर आए।

पार्किंग विवाद में श्रद्धालु से मारपीट, भोजनालय संचालकों ने जान से मारने की धमकी दी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • महाकाल दर्शन के लिए आए जयपुर के परिवार के साथ पार्किंग को लेकर मारपीट का मामला सामने आया है। घटना मंगलवार की रात नृसिंह घाट ब्रिज के पास हुई। शिकायत के आधार पर महाकाल थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जयपुर के प्रताप नगर सांगानेर निवासी नितिन चतुर्वेदी परिवार सहित उज्जैन आए थे। रात करीब 8 बजे उन्होंने अपनी महिंद्रा थार (आरजे-45-एडब्ल्यू-8304) नृसिंह घाट ब्रिज के पास सांवरिया भोजनालय के सामने खड़ी की और घाट पर चले गए।

शिकायत के अनुसार रात करीब 9:35 बजे जब परिवार वाहन के पास लौटा तो भोजनालय से दो युवक बाहर आए। उन्होंने खुद को महेंद्र और महेश माली बताते हुए 50 रुपए पार्किंग शुल्क मांगा। कारण पूछने पर दोनों ने गाली-गलौज शुरू कर दी।

महिला समेत परिवार के साथ मारपीट

विरोध करने पर आरोप है कि दोनों युवकों ने थप्पड़ और मुक्कों से मारपीट की। बीच-

बचाव करने पहुंची पत्नी और बेटे के साथ भी धक्का-मुक्की की गई। परिवार की एक अन्य महिला सदस्य ने भी घटना देखी। शिकायत में कहा गया है कि आरोपियों ने खुद को सगे भाई और भोजनालय संचालक बताया। भविष्य में वाहन खड़ा करने पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है।

पुलिस ने जांच शुरू की

घटना के बाद परिवार महाकाल थाने पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने प्रकरण कायम कर लिया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा

आस्था बनी पर्यटन की सबसे बड़ी ताकत, महाकाल दर्शन के लिए सबसे ज्यादा पहुंच रहे श्रद्धालु

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • प्रदेश में पर्यटन का चेहरा तेजी से बदल रहा है। प्राकृतिक और हेरिटेज स्थलों के मुकाबले अब मंदिर और तीर्थ केंद्र पर्यटकों की पहली पसंद बनकर उभरे हैं। पर्यटन विभाग के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2024 में प्रदेश के पर्यटन स्थलों पर पहुंचे करीब 13.41 करोड़ पर्यटकों में सबसे ज्यादा भीड़ उज्जैन के महाकाल मंदिर में दर्ज की गई, जहां अकेले 7.32 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। आस्था का असर इतना बड़ा है कि टॉप-10 पर्यटन स्थलों में से 7 स्थान धार्मिक केंद्र हैं। मैहर स्थित मां शारदा धाम में 1.33 करोड़, चित्रकूट में करीब 1.19 करोड़, जबकि ओंकारेश्वर और सलकनपुर जैसे तीर्थ स्थलों पर भी लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। साल 2025 में भी यही ट्रेंड जारी रहा। नवंबर तक प्रदेश में 13.45 करोड़ से ज्यादा

पर्यटक पहुंचे, जिनमें अकेले महाकाल दर्शन के लिए 5.52 करोड़ श्रद्धालु उज्जैन पहुंचे। चित्रकूट और मैहर में भी डेढ़ करोड़ के आसपास श्रद्धालुओं की आमद दर्ज हुई।

सलकनपुर आगे बढ़ा तो ओंकारेश्वर की रैंक फिसली: वर्ष 2024 के मुकाबले 2025 में नवंबर तक ही प्रदेश के कई प्रमुख धार्मिक स्थलों की रैंकिंग बदल गई है। सबसे बड़ा बदलाव चित्रकूट में दिखा, जहां 2024 में करीब 1.19 करोड़ श्रद्धालुओं के साथ तीसरे स्थान पर रहा यह तीर्थ 2025 में 1.60 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं के साथ सीधे दूसरे नंबर पर पहुंच गया। इसी तरह मैहर स्थित मां शारदा धाम, जहां 2024 में 1.33 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे थे, वह 2025 में करीब 1.57 करोड़ दर्शनार्थियों के बावजूद तीसरे स्थान पर खिसक गया, क्योंकि चित्रकूट में ज्यादा तेजी से बढ़ोतरी दर्ज हुई। सलकनपुर की मां विजयासन देवी धाम ने भी रैंकिंग में छलांग लगाई। यहां 2024 में करीब 26.47 लाख श्रद्धालु पहुंचे थे, जबकि 2025 के नवंबर तक संख्या बढ़कर 32.29 लाख हो गई और यह कई पारंपरिक पर्यटन स्थलों से आगे निकल आया। वहीं ओंकारेश्वर में श्रद्धालुओं की संख्या 24.79 लाख से घटकर 13.65 लाख रहने से इसकी स्थिति टॉप सूची में नीचे खिसक गई।

महाकाल मंदिर के पास हेरिटेज होटल में बना नॉनवेज, मुर्गा-मछली वाले हाथ धो लेना

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन के होटल सम्राट विक्रमादित्य द हेरिटेज होटल (महाराजवाड़ा) में नॉनवेज पकाने का वीडियो सामने आया है। यह होटल शहर के सबसे महंगे होटलों में शामिल है और महाकाल मंदिर से सिर्फ 100 मीटर की दूरी पर स्थित है। खास बात यह है कि होटल मध्य प्रदेश पर्यटन निगम से संचालित है। शुद्ध शाकाहारी घोषित इस होटल के वीडियो में स्टॉफ होटल के अधिकारियों और अपने लिए रात में मांस- मछली पकाते हुए दिखाई दे रहा है। इस दौरान कर्मचारी कहते सुनाई दे रहे हैं कि मुर्गा-मछली के हाथ धो लेना।

इतना ही नहीं नॉनवेज पकाते समय रात में किचन के सीसीटीवी कैमरा का एंगल भी बदल दिया जाता है। एमपीटी के इस होटल के अफसरों और स्टाफ

की इस करतूत को उजागर करने वाले सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं।

करीब 18 करोड़ रुपए की लागत से महाराजवाडा स्कूल की वर्षों पुरानी बिल्डिंग को हेरिटेज होटल में बदलकर महाकाल के भक्तों के लिए तैयार किया गया था। मार्च 2025 में सीएम मोहन यादव ने इसका उद्घाटन किया था। वीडियो वायरल होने के बाद उज्जैन में हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता भी नाराज हो गए। उन्होंने कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में हेरिटेज होटल के कर्मचारियों ने ही वीडियो उपलब्ध करवाकर 22 फरवरी को एक शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें उन्होंने हेरिटेज होटल के मेल आईडी का उपयोग कर नॉनवेज बनने की शिकायत भोपाल एमपीटी कार्यालय में की थी।

सम्राट विक्रमादित्य द हेरिटेज होटल (महाराजवाड़ा) में लाइजिंग ऑफिसर अजय राणावत का मुख्य काम होटल में आने वाले अतिथियों को मंदिर में महाकाल के दर्शन करवाना और आरती में शामिल कराना है, लेकिन सीसीटीवी में दिख रहा है कि वह अपनी जिम्मेदारी से हटकर होटल के किचन से जुड़े कामों में हस्तक्षेप कर रहा है। जिससे उसकी भूमिका भी सवालों के घेरे में आ गई है।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आज के कार्यक्रम

- सुबह 10:55 बजे मंत्रालय आगमन
- सुबह 11:00 बजे चर्चा
- दोपहर 1:15 बजे वीसी के माध्यम से शुजालपुर नगर पालिका के शताब्दी समारोह में सहभागिता (मंत्रालय)
- दोपहर 2:00 बजे आगामी 'जल गंगा संवर्धन अभियान' को लेकर वर्चुअल बैठक (मंत्रालय)
- दोपहर 3:00 बजे 'जल संचय जन भागीदारी कार्यक्रम' की वीसी (मंत्रालय)
- शाम 5:00 बजे निवास आगमन

पेट्रोल पंप मैनेजर के घर 5 माह पहले चोरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के छत्रीपुरा क्षेत्र में चोरी की वारदात सामने आई है। पीड़ित का आरोप है कि वह पिछले पांच महीनों से पुलिस को सूचना दे रहा था, लेकिन सिर्फ आवेदन लेकर जांच का आश्वासन दिया जाता रहा। परेशान होकर उसने वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की, जिसके बाद मंगलवार रात मामला दर्ज किया गया। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि चोरी हुए जेवरों का वजन कम दिखाने की कोशिश की गई, जबकि उसके अनुसार चोरी गए आभूषणों की कीमत करीब 20 लाख रुपए है। इंदौर के छत्रीपुरा थाना पुलिस ने पांच माह पुराने चोरी के मामले में वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत के बाद मंगलवार रात एफआईआर दर्ज की। मामला लोकनायक नगर का है, जहां मांगलिया पंप पर मैनेजर विजय राठौर के घर अक्टूबर में करीब 20 लाख रुपए की चोरी हुई थी।

डेढ़ साल की बच्ची डूबी, मौत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● खुडैल थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम डेढ़ साल की बच्ची की पानी से भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। खुडैल पुलिस के अनुसार 18 माह की रजनी, पिता संदीप, निवासी तिल्लोर, शाम को घर के पास खेत में खेल रही थी। खेत में पानी के लिए खोदे गए गड्ढे की ओर जाते समय वह औंधे मुंह गिर गई। करीब 20 मिनट बाद दादी ने तलाश की तो बच्ची गड्ढे में मिली। परिजन उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल लेकर गए।

अधिकारियो का मौजूदगी में हो चैंबरों की सफाई

रोबोटिक मशीनों के दावे-प्रेजेंटेशन से बाहर क्यों नहीं आ रहे अधिकारी ?

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम द्वारा चैंबर सफाई के लिए आधुनिक रोबोटिक मशीनों के उपयोग के लगातार दावे किए जाते रहे हैं। हर साल जेट प्रेशर मशीनें खरीदी जा रही हैं, इसके बावजूद दो कर्मचारियों की मौत ने व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि नगर निगम का कहना है कि यह घटना चैंबर सफाई के कारण नहीं हुई, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि आखिर कर्मचारी को चैंबर में उतरना ही क्यों पड़ा? क्या उन्हें पर्याप्त प्रशिक्षण नहीं दिया गया था? बताया जा रहा है कि चैंबर में डीवॉटरिंग मशीन का पाइप गिर गया था, जिसे निकालने के लिए एक के बाद एक दोनों कर्मचारी अंदर उतरे और हादसा हो गया। निगम के एक सेवानिवृत्त इंजीनियर (नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर) ने बताया कि ड्रेनेज विभाग अपनी व्यवस्थाओं में लगातार बदलाव कर रहा है और आधुनिक व रोबोटिक सिस्टम से लैस संसाधन जुटाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए निगम ने एक नीति भी बनाई है, जिसके तहत वर्षों से ड्रेनेज विभाग में कार्यरत कर्मचारियों को आधुनिक वाहन खरीदने के लिए आर्थिक सहायता दी जा रही है।

ड्रेनेज कर्मचारियों के लिए फाइनेंस स्कीम : ड्रेनेज विभाग के अनुसार लंबे समय से सेवा दे रहे सफाई कर्मचारियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए निगम वित्तीय योजना भी संचालित करता है। मशीन संचालन और कर्मचारियों को उचित प्रशिक्षण देने की जिम्मेदारी मशीन संचालक की बताई गई है। नगर निगम के कर्मचारी ही मशीन खरीदकर ड्रेनेज विभाग में अनुबंधित होते हैं और निगम उन्हें अनुबंध के आधार पर भुगतान करता है।

अपर आयुक्त से लेकर दरोगा तक जवाबदेही तय हो : चैंबर सफाई के दौरान जिन अधिकारियों कर्मचारियों की मौजूदगी अनिवार्य होनी चाहिए थी, वे मौके पर क्यों नहीं थे? क्या कर्मचारियों को यह स्पष्ट प्रशिक्षण दिया है कि सफाई के दौरान क्या करना है और क्या नहीं? अपर आयुक्त से लेकर दरोगा तक की भूमिका क्या निर्धारित है यह भी स्पष्ट होना चाहिए।

प्रेजेंटेशन नहीं, फील्ड में हो रोबोटिक क्षमता की जांच : सेवानिवृत्त इंजीनियर एसएन तोमर के अनुसार स्वच्छता सर्वेक्षण में शहरों को आधुनिक संसाधनों के आधार पर अंक दिए जाते हैं। अब समय आ गया है कि इन मशीनों की वास्तविक उपयोगिता भी परखी जाए। कंपनियां जो रोबोटिक मशीनें प्रेजेंटेशन में दिखाती हैं, वे फील्ड में भी उतनी ही सक्षम साबित हों।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा जिस संवेदनशीलता से अनुग्रह सहायता की घोषणा की गई थी, उसे आज आपके हाथों में सौंपा जा रहा है। महापौर ने कहा कि यह परिवार नगर निगम परिवार है। परिवार की इच्छा अनुसार आउटसोर्सिंग के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा और सफाई संघ सहित पूरा निगम प्रशासन हरसंभव सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहेगा।

महापौर ने यह भी स्पष्ट किया कि नगर निगम अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के हितों के संरक्षण के लिए पूर्ण प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी किसी भी प्रकार की आवश्यकता पर तत्परता से सहायता प्रदान की जाएगी। इंदौर में सोमवार शाम को सीवर टैंक में उतरने से नगर निगम के दो कर्मचारियों की मौत के मामले में महापौर भार्गव ने जांच के निर्देश दिए हैं। उनका कहना है कि जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। जांच में दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

कर्मचारियों के परिजनों को मिलेगी अस्थाई नौकरी : महापौर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर मंगलवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने चोइथराम अस्पताल के पास हुई दुखद घटना में दिवंगत नगर निगम कर्मचारियों करण यादव एवं अजय डोडिया के निवास पर पहुंचकर उनके परिजनों से मुलाकात की और दोनों परिवारों को 30-30 लाख की अनुग्रह सहायता राशि के चेक प्रदान किए। परिजनों से मिलकर महापौर भार्गव भावुक हो उठे और कहा कि दु:ख की इस घड़ी में नगर निगम का पूरा परिवार आपके साथ खड़ा है।

बड़वानी में कैबिनेट बैठक मानी जा रही अहम

आदिवासी वोट बैंक को साधने की राह पर भाजपा मालवा-निमाड़ पर नजर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● 2027 के निकाय चुनाव और 2028 के विधान सभा चुनाव को देखते हुए भाजपा सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनजातीय बहुल जिले बड़वानी के नागलवाड़ी में पहली किसान कैबिनेट आयोजित की। यह बैठक भीलट देव मंदिर परिसर में टेंट-तंबू में हुई और मंत्रिमंडल ने आदिवासी संस्कृति के प्रमुख पर्व भगोरिया में भी सहभागिता की। इसने बड़ा राजनीतिक संदेश दिया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह कदम किसानों के साथ-साथ आदिवासी वोट बैंक को साधने की रणनीति का हिस्सा है। आदिवासी वर्ग पर परंपरागत रूप से कांग्रेस की मजबूत पकड़ मानी जाती रही है, लेकिन पिछले एक दशक में भाजपा ने इस वर्ग में अपना आधार बढ़ाया है। प्रदेश की कुल 230 विधानसभा सीटों में से 47 सीटें अनुसूचित जनजाति, एसटी वर्ग के लिए आरक्षित हैं। 2023 के चुनाव में भाजपा ने 24 और कांग्रेस ने 22 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि रतलाम जिले की सैलाना सीट पर भारत आदिवासी पार्टी को सफलता मिली। मालवा-निमाड़ अंचल में आदिवासी वर्ग की 22

सीटें हैं, जहां कांग्रेस ने 11, भाजपा ने 10 और एक भारत आदिवासी पार्टी ने जीत दर्ज की। यह क्षेत्र आदिवासी राजनीति का सबसे बड़ा केंद्र माना जाता है।

- **22 फीसदी आबादी, 84 सीटों पर असर :** प्रदेश की कुल आबादी में लगभग 22 प्रतिशत हिस्सा आदिवासी समुदाय का है। 47 सीटें आरक्षित होने के बावजूद यह वर्ग करीब 80 से अधिक सीटों पर जीत-हार तय करने की स्थिति में माना जाता है।
- **2023 में कांग्रेस रही थी मजबूत :** 2018 के चुनाव में कांग्रेस ने 30 आदिवासी सीटें जीतकर भाजपा को बड़ा झटका दिया था, जबकि भाजपा 16 सीटों तक सीमित रह गई थी। मालवा-निमाड़ में भी भाजपा को 22 सीटों में से केवल 6 सीटें मिली थीं। वहीं, 2023 में भाजपा ने 24 सीटें जीतीं। हालांकि, इस कांग्रेस 66 सीटों पर सिमट गई, इसके बावजूद उसने आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित 22 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं, मालवा निमाड़ में दोनों ही पार्टियों ने आधी-आधी सीटों पर जीत दर्ज की।
- **आरक्षित सीटों का गणित :** 2013 में आरक्षित 47 सीटों में से 31 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की। कांग्रेस को 15 ही मिलीं, एक सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी जीता। वहीं, मालवा निमाड़ की 22 सीटों में से 15 भाजपा, 6 कांग्रेस और 1 सीट निर्दलीय को मिली। 2018 में आरक्षित 47 सीटों में से 16 सीटों पर भाजपा सिमट गई। वहीं, कांग्रेस ने 30 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं, मालवा-निर्माण की 22 सीटों में से 6 भाजपा, 15 कांग्रेस और एक सीट निर्दलीय के खाते में गई। 2023 में आरक्षित 47 सीटों में से 24 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की। वहीं, कांग्रेस ने 22 सीटों पर जीत दर्ज की। एक सीट पर निर्दलीय के खाते में आई।

व्यापारी से सोशल मीडिया विज्ञापन के झांसे में आकर ऑनलाइन ट्रेडिंग धोखाधड़ी में 65.5 लाख रुपए की ठगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के एक व्यापारी को सोशल मीडिया विज्ञापन के झांसे में लाकर ऑनलाइन ट्रेडिंग धोखाधड़ी में 65.57 लाख रुपये की ठगी का शिकार बनाया गया। एयरोड्रोम पुलिस ने चार मोबाइल नंबरों के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता दीपक चंदोरे, जो छोटा बंगार्दा रोड स्थित महेश एवेन्यू के निवासी हैं, ने पुलिस को बताया कि दिसंबर 2025 में सोशल मीडिया पर रील देखते समय उन्हें एक ट्रेडिंग लिंक दिखाई दिया। लिंक पर क्लिक करने के बाद, उन्हें वेल्थ नेविगेटर क्लब' नामक एक समूह में जोड़ा गया, जहां सदस्य नियमित रूप से मुनाफे के स्क्रीनशॉट, ट्रेडिंग वीडियो और ऑनलाइन व्याख्यान पोस्ट करते थे।

जब उन्होंने रुचि दिखाई, तो दीया मेहरा नाम की एक महिला ने व्हाट्सएप पर उनसे संपर्क किया और खाता खोलने की प्रक्रिया में उनका मार्गदर्शन किया। उन्हें एक प्रसिद्ध कंपनी का लिंक भेजा गया और एक ऑनलाइन फॉर्म भरने के लिए कहा गया। इसके बाद, उन्हें प्ले स्टोर से एक मोबाइल एप्लिकेशन डाउनलोड करने के लिए कहा गया, जिसके माध्यम से सभी लेनदेन किए जाने थे। शुरुआत में, उन्होंने 5000 रुपये का निवेश किया और ऐप पर उन्हें रिटर्न दिखाया गया, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा।

29 जनवरी, 2026 से उन्होंने सलाह के अनुसार बड़ी रकम ट्रांसफर करना शुरू कर दिया। 20 फरवरी तक, ऐप पर कथित तौर पर उनके कुल निवेश पर लगभग 4 करोड़ रुपये का मुनाफा दिखाई देने लगा। जब उन्होंने पैसे निकालने की कोशिश की, तो उन्हें बताया गया कि तकनीकी समस्याएँ हैं। इसके बाद उन्हें एक नए आईपीओ में और निवेश करने के लिए राजी किया गया। बार-बार पैसे वापस पाने की कोशिशें नाकाम रहीं और आखिरकार उन्हें पता चला कि उनके साथ 65.57 लाख रुपये की धोखाधड़ी हुई है। बाद में साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई गई।

एयरोड्रोम पुलिस स्टेशन के प्रभारी तरुण भाटी ने कहा, 'मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।' उन्होंने आगे बताया कि शिकायतकर्ता ने निवेश करने के लिए 25 लाख रुपये से अधिक का कर्ज लिया था। उन्हें विश्वास था कि उन्होंने ऐप पर दिखाई गई रकम कमा ली है।

एआई-इनोवेशन में वर्कर्स को ट्रेंड करेगी बीजेपी

कल भोपाल में होगी मास्टर ट्रेनर्स की ट्रेनिंग; मंडलों और बूथों तक होगा प्रशिक्षण

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● बीजेपी अपने कार्यकर्ताओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वर्क कल्चर जैसे कुल 14 विषयों पर 24 घंटे की ट्रेनिंग देगी। एमपी के 1313 मंडलों में 9 मार्च से यह प्रशिक्षण शुरू होंगे। 6 मार्च को भोपाल के रवीन्द्र भवन में दीनदयाल प्रशिक्षण महाभियान 2026 के लिए प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण रखा गया है। इसमें एमपी के सभी जिलों से दो-दो प्रशिक्षक बुलाए हैं।

हाईटेक होगा कार्यकर्ताओं का स्वभाव : प्रशिक्षण का एक मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं को आधुनिक तकनीक के उपयोग के अनुरूप ढालना है। पार्टी का मानना है कि 'व्यक्ति निर्माण से संगठन निर्माण' और फिर 'राष्ट्र निर्माण' के लक्ष्य को पाने के लिए कार्यकर्ताओं का तकनीकी रूप से दक्ष होना अनिवार्य है।

एआई और सोशल मीडिया पर विशेष फोकस : मंडल स्तर पर आयोजित होने वाले 24 घंटे के गहन प्रशिक्षण सत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सोशल मीडिया, नमो ऐप और संगठन ऐप पर विशेष सत्र रखे गए हैं। इसके माध्यम से कार्यकर्ताओं को सिखाया जाएगा कि कैसे तकनीक का उपयोग कर पार्टी की विचारधारा और सरकार की उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाया जाए।

राष्ट्रीय और क्षेत्रीय टोली में एमपी का प्रतिनिधित्व : इस महाअभियान के संचालन के लिए एक 'राष्ट्रीय टोली' बनाई गई है, जिसमें मध्य प्रदेश से भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व सांसद वी.डी. शर्मा को सह-संयोजक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा, राष्ट्रीय टोली में सदस्य के रूप में कविता पाटीदार को भी शामिल किया गया है. क्षेत्रीय स्तर पर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के लिए श्री के.सी. पटेल को प्रभारी नियुक्त किया गया है।

प्रशिक्षण की मुख्य बातें

बूथ स्तर पर डिजिटल कनेक्टिविटी : बूथ स्तर की कार्यशालाओं में व्हाट्सएप ग्रुप और डिजिटल संवाद के माध्यम से 'मन की बात' जैसे कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने पर जोर दिया जाएगा।

शुल्क और रजिस्ट्रेशन : मंडल स्तर के प्रशिक्षण के लिए 100 रुपए का डिजिटल शुल्क निर्धारित किया गया है, जो संगठन को डिजिटल रूप से जोड़ने की एक प्रक्रिया है।

कुल सत्र : मंडल स्तर पर कुल 7 सत्र आयोजित होंगे, जिनमें वैचारिक अधिष्ठान और इतिहास के साथ-साथ तकनीकी कौशल पर विशेष जोर रहेगा।

मां के सामने 5वीं मंजिल से कूदा युवक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के चंदन नगर थाना क्षेत्र स्थित ताप्ती परिसर में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात एक युवक ने पांचवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना रात करीब 2 से 3 बजे के बीच की बताई जा रही है। मृतक की पहचान राज (23) पिता मनोज मकवाना के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि गर्मी लगने के कारण वह रात में अपनी मल्टी के नीचे टहल रहा था। चौकीदार ने उससे देर रात घूमने की वजह पूछी। इसी दौरान वहां पुलिस की गाड़ी भी पहुंच गई। पुलिसकर्मी ने राज को रोककर पूछताछ की और उसे थप्पड़ भी मारे। परिवार का आरोप है कि इसके बाद राज घबरा गया और पकड़े जाने के डर से मल्टी की पांचवीं मंजिल पर पहुंचकर नीचे कूद गया। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

गेर की तैयारी : अव्यवस्थित केबलों को हटवाया, सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जा रहे, आसपास से ढंका राजवाड़ा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आगामी रविवार को इंदौर में गेर निकाली जाएगी। इसे लेकर गेर मार्ग को तैयार किया जा रहा है। जहां पेचवर्क की जरूरत है वहां पेचवर्क किया जा रहा है, वहीं जहां केबल अव्यवस्थित है उन्हें भी ठीक किया जा रहा है। इसके साथ ही जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं, ताकि गेर के दौरान गेर मार्ग पर नजर रखी जा सके।

इंदौर में निकलने वाली पारंपरिक गेर को लेकर नगर निगम अपने स्तर पर तैयारियां कर रहा है। गेर मार्ग पर सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है। निगम की टीम द्वारा गेर मार्ग पर अ?व्यवस्थित एवं अनावश्यक रूप से लटके केबल हटाए जा रहे हैं, ताकि गेर निकलने के दौरान किसी प्रकार की अड़चन ना आए। टीम द्वारा विजय चाट हाउस चौराहे से सराफा थाने के बीच जहां केबल, तार नीचे लटके हुए थे या अव्यवस्थित रूप से फैले हुए थे, उन्हें व्यवस्थित करने का काम कर दिया है। वहीं अब गेर मार्ग के दूसरे हिस्सों में जो अना?वश्यक केबले लगी है उन्हें हटाया जाएगा। निगमायुक्त क्षितिज सिंघल भी अधिकारियों को निर्देश दे चुके है कि गेर मार्ग पर किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, बाधक सामग्री या असुरक्षित ढांचे को तत्काल चिह्नित कर हटाया जाए, ताकि रंगपंचमी का आयोजन सुरक्षित, सुचारू और व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में बीए, एलएलबी फर्स्ट सेमेस्टर का रिजल्ट रोका

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ●बीए, एलएलबी फर्स्ट सेमेस्टर का रिजल्ट तैयार होने के बावजूद देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने जारी नहीं किया है, क्योंकि 30 फीसदी छात्र-छात्राएं ही पास हो पाए है। अधिकांश विद्यार्थी दो से तीन अंक से फेल हुए है। इसके चलते विवि उन विद्यार्थियों की दोबारा कॉपियां जांचवा रहा है, जिन्हें मुख्य विषयों में कम अंक मिले है। अधिकारियों के मुताबिक मूल्यांकन में एक सप्ताह का समय लगेंगे। अगले सप्ताह तक रिजल्ट घोषित किया जाएगा। 2025-26 सत्र में प्रवेश लेने वाले बीए, एलएलबी फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षा जनवरी में करवाई गई। 18 कॉलेजों से 12 हजार विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। विवि ने मूल्यांकन फरवरी तीसरे सप्ताह में खत्म कर लिया। रिजल्ट को लेकर रिपोर्ट बनाई गई, जिसमें महज तीन -चार हजार विद्यार्थी सभी विषयों में पास हुए है। साथ ही सैकेड़ो छात्र-छात्राएं मुख्य विषयों में फेल हुए है। इन्हें दो से तीन अंक से फेल हो गए हैं। परीक्षा समिति ने रिजल्ट पर आपत्ति ली और दोबारा विवि से कम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की कापियां जांचवाने पर जोर दिया।

ना मंडी शिफ्ट हुई और ना फ्लायओवर पूरे बने, सभी एमआर भी पड़े अधूरे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्राधिकरण का ढर्रा पिछले 5 माह से पटरी से उतरा हुआ है और सभी प्रोजेक्ट लेटलतीफी का शिकार हैं। गत वर्ष 1500 करोड़ रुपए से अधिक का बजट प्रस्तुत करने वाले प्राधिकरण की उपलब्धि बहुत कम है। जितनी घोषणाएं की गई थीं, उन पर अमल नहीं हो पाया। ना तो एमआर-11 और ना एमआर-12 सहित अन्य पूरे हुए और ना ही नए फ्लायओवर पर काम शुरू हुआ, बल्कि डबल डेकर ब्रिज भी लेटलतीफी का शिकार हो गया, जिसे अब मई-जून तक पूरा करने के दावे कल कलेक्टर और सीईओ के दौरे के दौरान किया गया। अहिल्या पथ सहित नई टीपीएस योजनाएं भी ठंडे बस्ते में पड़ी है। अब आगामी वित्त वर्ष का बजट अगली बोर्ड बैठक में रखा जाएगा, जो कि 1 हजार करोड़ रुपए से अधिक का ही रहेगा। रंगपंचमी के बाद ही अब बोर्ड बैठक होगी।

शहर विकास की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी प्राधिकरण के कंधे पर है, क्योंकि मास्टर प्लान की क्रियान्वयन एजेंसी भी वही है। नगर निगम का खजाना तो खाली ही रहता है। ऐसे में मास्टर प्लान की

सड़कें, फ्लायओवर, एमआर सहित अन्य सभी महत्वपूर्ण प्रोजेक्टों का जिम्मा प्राधिकरण पर ही है, लेकिन पिछले साल के बजट में जो बढ़-चढ़कर दावे किए थे उनमें 50 फीसदी भी सफलता नहीं मिल सकी है। कुमेर्डी का आईएसबीटी बीते 8 माह से तैयार पड़ा है, जिसके लिए ठेकेदार की तलाश लगातार जारी है। टीपीएस योजनाओं में विकास कार्यों की गति भी धीमी पड़ी है, तो निर्माणाधीन जो प्रोजेक्ट हैं उसकी भी सही तरीके से मॉनिटरिंग नहीं हो पा रही है। यहां तक कि सिंहस्थ के मद्देनजर एमआर-11, एमआर-12 के साथ-साथ इन पर बनने वाले फ्लायओवर का काम भी गति नहीं पकड़ पाया है, तो लवकुश चौराहा पर बन रहा डबल डेकर ब्रिज, जिस पर प्राधिकरण 180 करोड़ रुपए की बड़ी राशि खर्च कर रहा है, उसका निर्माण साल के अंत तक पूरा हो जाना था, मगर अब 6 महीने लेट हो गया। कल कलेक्टर शिवम वर्मा और सीईओ डॉ. परीक्षित झाड़े ने इस डबल डेकर ब्रिज के चल रहे निर्माण कार्य की जानकारी ली और निर्देश दिए कि जून माह तक यह ब्रिज तैयार हो जाए, ताकि सिंहस्थ के दौरान शहर में बढ़ने वाले यातायात दबाव को कम करने में और आवागमन को सुगम बनाने में इस ब्रिज की मदद मिल सके। कलेक्टर वर्मा ने सर्विस लेन की भी तत्काल मरम्मत करने और उसे व्यवस्थित करने के निर्देश भी एजेंसी को दिए और साथ ही वैकल्पिक यातायात व्यवस्था और सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने को कहा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : अक्षय तिवारी द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।